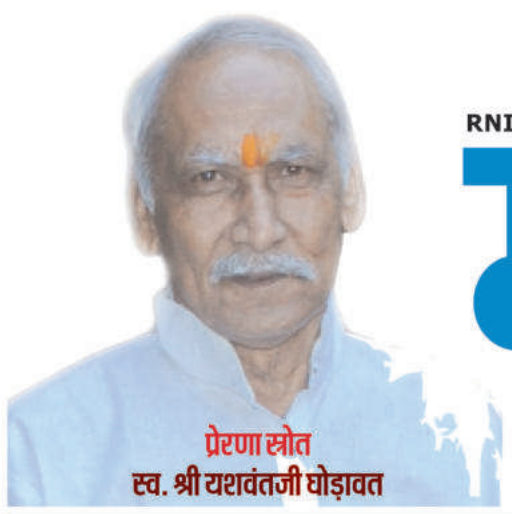

RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

बड़ा सोचो, जल्दी सोचो, आगे की सोचो क्योंकि विचारों पर किसी का एकाधिकार नहीं है!

धीरूभाई अम्बानी

वर्ष-05, अंक-22 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 02 मार्च 2023 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

शिवगंगा के हलमा आयोजन का शिवराज सरकार और जिला प्रशासन ने मिलकर बनाया हलवा

सरकार की फूलती दिख रही सांसे, शिवराज ने गिरती साख को बचाने के लिए लिया शिवगंगा का सहारा...

माही की गूंज, संजय भटेवरा

झाबुआ। जिले के आदिवासी समाज की एक ऐसी परंपरा जो समाज को एकजुट रखने और एकता के धागे में समाहित होने का संदेश देती रही है। समाज के गरीब और पिछड़े लोगों को हाथ से हाथ मिलाकर उनका सहयोग कर मुख्य धारा से जोडने का काम करती रही है। चाहे जिस तरह की विपत्ती हो, यह परंपरा इस आदिवासी समाज को उससे उभरने में मदद करती रही है। जिले के ग्रामीण क्षेत्रों में इसका अपना अलग ही महत्व है। अपनों से अपनों की मदद करने वाली इस परम्परा का नाम ही हलमा है। गांव के किसी भी गरीब आदिवासी के मुसीबत में पडने पर सारे गांव के लोग मिलकर उसकी मदद कर उसे मुसीबत से बाहर निकालते है। यह परंपरा यहां यूं तो सदियों से चली आ रही है, लेकिन पिछले कुछ सालों में जिले की एक संस्था ने इसे सार्वजनिक पटल पर लाकर प्रदेश ही नहीं देश भर में पहुंचा दिया।

जिले की शिवगंगा संस्था ने जिस तरह आदिवासियों की इस परंपरा को सार्वजनिक व बड़े कामों के लिए उपयोग किया है, वह सराहनीय है। जिले में इस संस्था ने हलमा के जरिए कई बड़े कामों को अंजाम दिया है। संस्था का एक अपना ही संजाल है जो जिले भर में फैला हुआ है। जब भी आवश्यकता पड़ती यह समुह बड़े से बड़े कामों को अंजाम दे देता। शिवगंगा जिले में अब तक इसी तरह हलमा कर सैकड़ों तालाबों का निर्माण कर चुका है, तो जिले के कई क्षेत्रों में पौधा रोपण कर उन्हे वृक्षों में तबदील कर जंगल का रूप दे चुका है। हर साल शिवगंगा आदिवासियों की इसी परंपरा का इस्तेमाल कर हलमा का आयोजन करती आ रही है। शिवगंगा द्वारा आयोजित हलमें में जिले के सैकड़ों आदिवासी शिरकत करते और जलसंरक्षण को लेकर पहाडियों पर कंटूर ट्रेंच का निर्माण करते। इस कंटूर निर्माण का उद्देश्य यह होता कि, वर्षा जल को संरक्षित कर भू-जल स्तर को बढ़ाया जाए। शिवगंगा का यह उद्देश्य वाकई काबिले तारीफ है, लेकिन पिछले कई सालों में जिले में कितना भू-जल स्तर बढ़ा है इसका कोई पुख्ता आंकड़ा न तो शिवगंगा के पास है और न ही प्रशासन के पास...? उद्देश्य अच्छा है इसीलिए शिवगंगा के इस अभियान को समर्थन भी मिलता है और इसी जन समर्थन के चलते इस बार इसका पूरी तरह से राजनीति करण हो गया।

भोपाल से लाई गेती के साथ हेलीकाप्टर से उतरे मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान।

महज कुछ ही फावड़े चलाकर श्रमदान की कर ली इतिश्री।

पहाड़ी पर खड़े रहकर लिया नजारे का आनंद और करवाया फोटो सेशन।

इस बार 25 और 26 फरवरी को आयोजित हुआ शिवगंगा का यह हलमा पूरी तरह से राजनीति की भेंट चढ़ गया। शिवगंगा के इस आयोजन का सीधे तौर पर शिवराज सरकार ने फायदा उठाने की कोशिश की है। शिवगंगा के इस हलमें की तारीखें सामने आने के बाद शिवराज सरकार व जिला प्रशासन ने मानों इस आयोजन का अपहरण कर लिया। 5 से 25 फरवरी तक प्रदेश सरकार ने पूरे प्रदेश में विकास यात्रा निकालने का ऐलान किया था। यह विकास यात्रा ठेठ ग्रामीण स्तर तक निकाली भी गई। मगर विकास यात्रा को जनता का कोई खास समर्थन मिलता दिखाई नहीं दिया। विकास यात्रा का पलीता होते देख सरकार और जिला प्रशासन ने इसके समापन को सफल बनाने के लिए शिवगंगा के हलमा आयोजन पर दाव खेला। क्योंकि शिवगंगा के इस हलमा आयोजन में हजारों आदिवासियों की भीड़ जुटने वाली थी और इसी भीड़ का फायदा शिवराज सरकार और जिला प्रशासन उठाना चाहते थे। बस फिर क्या था शिवगंगा का हलमा आयोजन विकास यात्रा के समापन आयोजन में बदल गया। कहने को तो हलमा कार्यक्रम में विकास यात्रा समापन आयोजन समाहित किया गया था, लेकिन धीरे-धीरे हलमा कार्यक्रम दर किनार रह गया और विकास यात्रा समापन आयोजन ही मुख्य रूप से दिखाई पड़ा।

इस सारे घटनाक्रम से एक बात तो साफ नजर आ रही है कि, प्रदेश भर में विकास यात्रा निकालकर शिवराजसिंह चौहान ने अपनी खिसकती जमीन देख ली है। प्रदेश भर में विकास यात्रा के क्या हाल रहे यह तो नही कह सकते लेकिन जिले में विकास यात्रा की जमीनी हकीकत बहुत ही खराब नजर आई है। जिले में विकास यात्रा से आमजन लगभग नदारद ही नजर आया है। भाजपा से जुड़े लोग जरूर इसमें नजर आए, लेकिन कई जगहों पर तो यह भी नहीं देखे गए। स्कूली बच्चों को विकास यात्रा में शामिल कर यात्रा की इतिश्री कर ली गई। तो कई जगहों पर अफसर शाही तंत्र ने विकास यात्रा को पलीता लगाया।

शिवगंगा के इस हलमें में पहले दिन मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगु भाई पटेल ने शिरकत की और आदिवासियों की इस परंपरा को करीब से जाना। मगर आम आदिवासी जो इस हलमा आयोजन में पहुंचा था, प्रोटोकाल की वजह से उन तक पहुंच भी नहीं पाया। राज्यपाल पूरी तरह से भाजपा नेताओं से ही घिरे रहे। राज्यपाल ने हलमा के बारे में जो भी जाना इन्ही भाजपा नेताओं और शिवगंगा प्रमुख महेश शर्मा से ही जाना। राज्यपाल ने 25 फरवरी शाम को यहां पहुंचकर गेती यात्रा में हिस्सा लिया। दूसरे दिन उन्होने आदिवासियों की हलमा परंपरा में हिस्सा लेकर कंटूर खोदने के लिए गेती चलाई। जिसके बाद राज्यपाल यहां से रवाना हो गए।

इसी दिन 26 फरवरी को सुबह 10 बजे मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान हलमा आयोजन और विकास यात्रा समापन समारोह में हिस्सा लेने झाबुआ पहुंचे। झाबुआ में हलमा आयोजन में कदम रखते ही शिवराज का अंदाज कुछ ऐसा था कि, वे हेलीकाप्टर से ही गेती हाथ में लेकर उतरे। यह देखने वालों को थोड़ा हास्यासपद जरूर लगा, क्योंकि गेती तो यहां भी मिल सकती थी, भोपाल से लेकर आने की क्या जरूरत थी ? और अगर ऐसा ही था तो फिर फावड़ा और तगारी भी साथ में ही ले आते। या फिर कहीं न कहीं प्रशासन मुख्यमंत्री के लिए गेती तक का इंतजाम नहीं कर पाया। खैर जो भी हो लेकिन शिवराज की एंट्री ने यह तो बता ही दिया कि, यह चुनावी साल है और यह आयोजन उसी को साधने की राजनीतिक नौटंकी रही। हलमा में शिरकत करने के नाम पर मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने महज कुछ ही गेती जमीन पर चलाई। उनके इस श्रमदान से शायद एक भी कंटूर जमीन पर नहीं बना होगा। बस यह हलमा आयोजन का समापन हो चुका था। इसके बाद जो था वह सिर्फ विकास यात्रा का समापन ही था।

मंच से सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान ने हलमा को महज कुछ शब्दों में निपटाया और विकास यात्रा की और पूरे कार्यक्रम को घुमा दिया। हलमा में आई भीड़ अब एक राजनीतिक सभा का हिस्सा बन चुकी थी। जिले में विकास यात्रा की तो इतनी फजीहत हुई थी कि 11 लाख की आबादी वाले इस जिले से विकास यात्रा के समापन के नाम पर भीड़ एकत्रित करना शिवराज और जिला प्रशासन को नामुमकिन सा लग रहा था। जो आंकड़ा प्रशासन भीड़ का बता रहा है वह तीन राज्यों को मिलाकर बता रहा है। मतलब साफ है कि, हलमा आयोजन के नाम पर या विकास यात्रा के समापन के लिए जो भीड़ इकट्ठी की गई थी उसमें जिले के ग्रामीणों की संख्या कितनी रही होगी। हालांकि प्रशासन द्वारा भीड़ के दिए आंकड़े और जमीनी हकीकत में जमीन-आसमान का फर्क बहुत आसानी से दिखाई पड़ता है। जिस भीड़ को जिला प्रशासन 40 हजार बता रहा है, वह हकीकत में लगभग उससे आधी या उससे भी कम होगी। क्योंकि जिले की जनता ने कई बार हजारों-लाखों की भीड़ देखी है। आने वाले भगोरियों में भी इससे ज्यादा भीड़ देखने को मिल जाएगी।

सवाल तो यह भी है कि क्या शिवराज सरकार और जिला प्रशासन ने जिले में इतने भी काम नहीं किए कि लगभग 11 लाख की आबादी वाले इस जिले से विकास यात्रा के समापन अवसर पर 1 लाख लोगों की भीड़ इक्ट्ठा कर सके। विकास यात्रा के नाम पर यह जरूर हुआ है कि, जो लोग बरसों से अपनी समस्या को लेकर दौड़ रहे थे, उन्हे विकास यात्रा के ढकोसले में सफलता मिल गई। ऐसे कई उदाहरण जिले में भरे पड़े है जो बरसों से प्रशासनिक निकम्मेपन का शिकार हो रहे थे, दर-दर की ठोकरे खा रहे थे, लेकिन चुनावी साल और मामा को दिखती खिसकती जमीन ने विकास यात्रा के नाम पर किए गए ढकोसले में उनकी सुन ली और समस्या का समाधान हो गया। 2003 के बाद कुछ महीनों को छोड़ शिवराज की सरकार है। बावजूद इसके अब भी कई लोग ऐसे है जिन्हे या तो योजनाओं का लाभ नहीं मिला या वे किसी न किसी तरह से प्रशासनिक हटधर्मिता के शिकार हुए है। अब जब कि चुनावी साल है और शिवराज सरकार को अपनी जमीन जाती दिखाई पड़ रही है तो शिवराज ने विकास यात्रा निकाल कर महज 20 दिनों में सारे विकास कर डाले। लोगों की समस्याओं का त्वरित समाधान कर डाला। विकास यात्रा के समापन समारोह में प्रशासन ने जिस तरह से आंकड़े प्रस्तुत किए है। उससे तो यही साबित होता है कि, विकास यात्रा के 20 दिनों के पहले विकास हुआ ही नहीं था, जो कुछ भी हुआ है वह महज इन 20 दिनों में ही हुआ है।

हुआ करोड़ों का खर्च

सिक्के का दूसरा पहलू यह है कि, शिवगंगा हलमे के जिस आयोजन को अल्प खर्च में करती थी, उसी आयोजन पर इस बार प्रशासन ने करोड़ों रुपये खर्च कर डाले। सुत्रों से मिली जानकारी के अनुसार यह खर्च 6 करोड़ से भी अधिक है। हालांकि अगर यह खर्च वाकई में शिवगंगा द्वारा चलाए जा रहे हलमा आयोजन के लिए होता तो शायद इस जिले की तस्वीर ही बदल गई होती। मगर अफसोस इस बात का है कि, सरकार और प्रशासन ने यह पैसा हलमा पर नहीं बल्कि विकास यात्रा के समापन और शिवराज सरकार की खिसकती जमीन को सहारा देने के लिए किया। शिवगंगा हलमा का आयोजन पिछले कई वर्षों से करती आ रही है, और आयोजन का खर्च भी बहुत कम होता है, लेकिन यह पहला मौका है जब उसके आयोजन में घालमेल कर प्रशासन ने करोड़ों रुपये फूंक दिए और नतीजा सिफर ही रहा। इस बार सरकार और प्रशासन की दखल अंदाजी से हलमा का असल मकसद शायद दूर ही रह गया और आयोजन का पूरी तरह से राजनीतिकरण हो गया। इस मामले में कांग्रेस भी हलमा के राजनीतिकरण को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दे चुकी है।

कुल मिलाकर इस बार शिवगंगा के हलमा आयोजन का शिवराज सरकार और जिला प्रशासन ने मिलकर हलवा बना दिया। हलमा को एक तरफ रख कर विकास यात्रा का समापन कराया। अब यह हलवा सरकार का कितना मुंह मीठा करेगा यह तो भविष्य के गर्त में है, लेकिन एक बात तो साफ हो चली है कि, सरकार को विकास यात्रा करने पर अपनी जमीन खिसकती नजर आ गई है। विकास यात्रा में मुंह की खाने के बाद ''अंत भला तो सब भला'' तर्ज पर उसके समापन अवसर को भुनाने के लिए शिवगंगा के हलमा का हलवा बनाया गया।

करोड़ों रुपये खर्च कर हलमा उर्फ विकास यात्रा समापन की सभा को संबोधित करते मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान।

हलमा करने पहुंचे ग्रामीण बन गए राजनीतिक सभा का हिस्सा।

बजट से पहले विपक्ष ने गैस सिलेंडर को लेकर किया विरोध प्रदर्शन

भोपाल।

वैसे तो यह साल मध्य प्रदेश के लिए काफी अहम है क्योंकि इसी साल यहां विधानसभा चुनाव होने हैं। बुधवार को दिन एमपी के लिए इसलिए भी खास रहा क्योंकि इस दिन सरकार ने अपना बजट पेश किया। राज्य के वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा जब विधानसभा में बजट पेश करने पहुंचे थे तब उससे पहले कांग्रेस विधायकों ने महंगाई के विरोध में विधानसभा के बाहर सिलेंडर के साथ प्रदर्शन भी किया। विधायक सिलेंडर के दाम बढ़ाए जाने के केंद्र सरकार के फैसले का विरोध कर रहे थे। वित्त मंत्री ने जब विधानसभा के अंदर अपना बजट पेश किया तब उस वक्त भी काफी शोर-शराबा हुआ। सदन में मौजूद विधायक ने जय महाकाल और जय श्रीराम के नारे भी लगाए।

राज्य में इसी साल विधानसभा चुनाव होने हैं, इस लिहाज से शिवराज सरकार का यह बजट काफी अहम माना जा रहा था। इस बजट में वित्त मंत्री ने महिला सशक्तिकरण की बात कही। प्रदेश के पहले ई-बजट को पेश करते हुए वित्त मंत्री ने बताया कि, लाडली लक्ष्मी योजना के तहत राज्य की 44 लाख से अधिक छात्राओं के तहत 44 लाख से अधिक छात्राओं को लाभ मिला है। इस बजट में किसी भी नये टैक्स का ऐलान नहीं किया गया था।

हंगामे के बीच वित्त मंत्री देवड़ा ने पेश किया चुनावी बजट...!

बजट भाषण के दौरान जब विपक्ष बार-बार हंगामा कर रहा था तब खुद मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मोर्चा संभाला और कहा कि, जनता इस बजट को सुनना चाहती है लिहाजा विपक्ष भाषण के दौरान शोर ना मचाए और बाद में अपनी बातें रखे। इस बजट में उच्च शिक्षा में दाखिला लेने वाली बालिकाओं को ई-स्कूटी देने का ऐलान किया गया। वित्त मंत्री ने बताया कि मातृत्व वंदना योजना के तहत 467 करोड़ रुपये दिए जाने वाले हैं। वहीं महिला स्वयं सहायता समूह को 660 करोड़ मिलेंगे। वित्त मंत्री इसके साथ ही कहा सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर दे रही है।

वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने बताया कि, प्रसूति सहायता योजना के लिए 400 करोड़ का प्रावधान किया गया है। 11 हजार एकड़ में सुगंधित खेती को बढ़ावा देने के अलावा स्पोर्ट्स टूरिज्म को बढ़ावा देने की बात बजट में कही गई है। खेल विभाग के लिए 738 करोड़ रुपये का भी प्रावधान किया गया है। किसानों के लिए शिवराज सरकार ने एक अहम बात यह भी कही है कि डिफॉल्टर हो चुके किसानों का कर्ज अब सरकार भरेगी।

टेसू के खिले फूलों ने दी खुशियों की आमद, होली पर्व को लेकर चढ़ने लगा रंग

माही की गूंज, पेटलावद। निर्मल व्यास (विशेष संवादाता)

फागुन माह के आगमन के बाद इन दिनों वातावरण में अद्भुत परिवर्तन देखा जा रहा है, हल्की ठंडी हवाओं की मस्त बयार इस पर्व की खुशियों को दुगना करती नजर आ रही है। साथ-साथ गेहूं एवं चने की फसल भी लगभग पक कर तैयार है जो बसंत ऋतु के आगमन का शुभ संकेत माना जाता है। वही हल्की गर्मी के बीच ठंडी हवाओ ने मौसम को और खुशनुमा बना दिया है ऐसे में पेड़ों पर लगे टेसू पलस के रंग-बिरंगे फूल फागुन मास मे अपनी सार्थकता प्रदान करते नजर आ रहे हैं जो इन दिनों आमजन को बहुत रास आ रहे हैं थांदला बदनावर मार्ग पर इन दिनों पेड़ों पर लगे टेसू के फूल का नजारा आसानी से देखा जा सकता है वही पीपल के वृक्षों पर भी नव कोपल फूटने लगी है उल्लेखनीय है कि झाबुआ जिले में फागुन मास में होली पर्व पर भगोरिया को लेकर खासा उत्साह देखा जाता है कई स्थानों पर साप्ताहिक हाट पर सामूहिक नृत्य के साथ साथ आकर्षक परिवेश इस भगोरिया हाट की खुशियों को दुगुना करते नजर आते हैं इनकी जुबानी फागुन माह की कहानी इस संबंध में पर्यावरण प्रेमी वीरेंद्र व्यास का कहना है कि फागुन मास का यह अद्भुत नजारा विशेषकर ग्रामीण अंचलों में ही देखा जाता है वनवासी अंचल में टेसू के पेड़ बड़ी संख्या में पाए जाते हैं इस माह में खिलने वाले टेसू के फूल इस त्यौहारों की खुशियों में चार चांद लगाते हैं वर्षों पूर्व होली पर्व टेसू के फूलों से ही होली मनाए जाने का प्रचलन है ।वहीं दूसरी ओर ज्योतिषाचार्य के के श्रीवास्तव के अनुसार शास्त्रों में भी इस चीज का उल्लेख है कि फागुन मास में प्राकृतिक सौंदर्य का अद्भुत नजारा दिखाई पड़ता है चारों ओर गर्मी के मौसम के चलते वृक्षों पर नव कोपल के आने की शुरुआत हो जाती है वैसे ही फागुन मास पूरी मस्ती से भरा होने के साथ-साथ ग्रामीण होलिका दहन के बाद रंगों से सजा रंग पंचमी पर्व बड़े उत्साह एवं उमंग के साथ मनाया जाता है।

बिजली विभाग के तार बैचते रंगे हाथ धरे गए चोर

टेम्पू सहित माल बरामद, तीन आरोपी गिरफ्तार, एक फरार

माही की गूंज, रायपुरिया। उमाशंकर पाटीदार

मंगलवार को पुलिस ने झाबुआ रोड पर भंगार बेचने के लिए आए टेम्पू को पकड़ा जिंसमे बिजली विभाग के 33 केवी लाइन के तार भरे हुए थे। रायपुरिया विद्युत मण्डल के सहायक यंत्री विरेन्द्रसिह सोलंकी के द्वारा थाना रायपुरिया में रिपोर्ट की गई की ग्राम जमुनिया से बोलासा के बीच 33 केवी लाईन के चार पोल के डाग कन्डक्टर , ओसेवन एल्युमिनयम के तार काट कर अज्ञात चोर चोरी कर कर ले गये है। मंगलवार को मूखबीर से सुचना प्राप्त हुई कि, चार लडके एक मैजिक वाहन में बिजली के तार के टुकडे लेकर रायपुरिया में देखे गए है। उक्त सुचना पर थाना रायपुरिया की पुलिस टीम के द्वारा खेल मैदान रायपुरिया के सामने से मैजिक वाहन में भरे हुए डाग कन्डक्टर ओ सेवन एल्युमिनयम के तार के कटे हुए टुकडे वजन 249 किलो किमत दो लाख 50 हजार रूपए के जप्त कर आरोपी कैलाश पिता रामा सिगाड निवासी पालेडी, प्रदीप पिता कलमसिह पंचाया निवासी पालेडी, कमलेश पिता मंगलिया भुरिया निवासी टाण्डा तारखेडी को गिरफ्तार किया गया। इनका एक साथी जीवन उर्फ मोनु मेहता निवासी सेमरोड फरार हो गया। जिसकी तलाश की जा रही है, जिसे भी जल्द ही गिरफ्तार किया जायेगा।

वाहवाही लूट रही पुलिस

चोरों के पकड़े जाने के बाद रायपुरिया पुलिस वारदात की कहानी बना कर पेश कर रही है। कही न कही पूरा घटनाक्रम हुआ उसमे पुलिस की भूमिका कम और उन चोरों की ज्यादा रही जो क्षेत्र से चुराए हुए तारो को थाने से कुछ ही दूरी पर एक भंगार वाले क यहां खुले भरकर टेम्पू में ले आए। हमारे सूत्र बताते है कि, इसकी जानकारी भी बिजली विभाग की ओर से पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुँच कर आरोपियों को पकड़ा। खेर पुलिस को घर बैठे मिली सफलता में अपनी सुर्खिया बटोरने का मौका मिल गया।

हादसा : तेज गति से आ रही जीप ने 5 लोगों को मारी टक्कर

माही की गूंज, थांदला।

मंगलवार देर शाम को थांदला से लगभग 7 किलोमीटर दूर थांदला-लिमडी मार्ग पर बड़ा हादसा हो गया। बोलेरो (जीप) चालक ने सामने से आ रही बाईक और पैदल चल रहे कुछ लोगों को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में 5 लोग घायल हो गए हैं। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार थांदला-परवलिया मार्ग पर टोल के समीप एक जीप चालक ने सामने से आ रही बाईक व सड़क किनारे चल रहे 2 व्यक्ति को टक्कर मार दी। घायलों को एंबुलेंस की मदद से थांदला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जिन्हें जिला चिकित्सालय रेफर किया गया।

घायलों में रुसली खीमा मुनिया परवलिया, खीमा पिता कड़वा मुनिया परवलिया, बद्दी पति मुकेश बारिया काकनवानी, मालू पति रंगा बारिया काकनवानी, शैतान पति मंजू डामोर पलासडोर है। घायलों का प्राथमिक उपचार कर, गंभीर स्थिति होने से सभी घायलों को जिला चिकित्सालय रेफर किया था। जानकारी अनुसार मालु, शैतान और बद्दी किसी समारोह में खाना बनाकर अपने गांव लौट रहे थे, वही सड़क के समीप रूसली और खीमा पैदल चल रहे थे। जिन्हें उक्त जीप चालक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद जीप दुर्घटना स्थल से कुछ दूरी पर सड़क के समीप पलट गई, वही चालक फरार हो गया।

एक दिवसीय कार्यशाला हुई संपन्न

माही की गूंज, थांदला।

राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग नई दिल्ली एवं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के संयुक्त तत्वाधान में शासकीय महाविद्यालय थांदला में ÷स्वतंत्रता संग्राम में जनजातीय नायकों का योगदान÷ विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन सोमवार को किया गया। सर्वप्रथम शहीद चंद्रशेखर आजाद के बलिदान दिवस पर अतिथियों एवं महाविद्यालय स्टाफ ने पुष्पांजलि व 2 मिनट का मौन रख श्रद्धांजलि अर्पित की। जिसके बाद कार्यशाला की शुरूआत की गई।

अतिथियों के स्वागत एवं कार्यशाला की अध्यक्षता कर रहें प्राचार्य डॉ. जीसी मेहता द्वारा स्वागत भाषण के पश्चात विशेष अतिथि अध्यक्ष अधिकारी कर्मचारी संघ झाबुआ जसवंत डामर ने बताया कि, हम जलियांवाला बाग हत्याकांड के बारे में जानते हैं, लेकिन राजस्थान के मानगढ़ नर संहार बारे में कोई उल्लेख इतिहास में नहीं है। आज आवश्यकता है इतिहास के पुनर्लेखन की। अग्रणी महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. के.सी. सिन्हा ने विशेष अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि, हम ऋणी हैं जनजाति सभ्यता, संस्कृति, रीति रिवाज, प्रथाओं एवं परंपराओं के जिसमें सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक प्रणाली में व्यवस्था आज भी विद्यमान है। जनजातीय प्राकृतिक चिकित्सा काफी प्रभावी है, यहां मिलने वाली जड़ी-बूटियों का ज्ञान सहेजा जाना चाहिए। कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. रेखा नागर ने अपने उद्बोधन में बताया कि, हम स्वतंत्रता संग्राम की पहली लड़ाई 1857 जानते हैं, लेकिन स्वतंत्रता की अलख 1771 से 1784 के बीच जनजातीय नायक बाबा तिलगा मांझी ने जलाई थी, जिसे हम पहला मंगल पांडे कह सकते हैं। हम जितने भी स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में जानते हैं वे अपने परिवार से एक या दो व्यक्ति ही आए, लेकिन सामूहिक बलिदान जनजाति विद्रोह की विशेषता रही है।

बदनावर-थांदला मार्ग कब बनेगा फोरलेन...?

बढ़ते ट्रैफिक का दबाव, आए दिन होती है दुर्घटनाएं

माही की गूंज, सारंगी। संजय उपाध्याय

थांदला-बदनावर स्टेट हाईवे रोड पर दुर्घटनाएं थमने का नाम नहीं ले रही है, आए दिन होने वाले एक्सीडेंट में लोगो की जान जा रही है। थांदला-बदनावर रोड पर हर दिन किसी ना किसी की जान जा रही है, ऐसा कोई दिन नहीं जब इस रोड पर कोई दुर्घटना ना घटती हो और यह सभी रोड की वास्तविक चौड़ाई से कम चौड़ाई होने के चलते और वाहनों का बहुत ही ज्यादा दबाव के कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं और ऐसी ही एक घटना गुरुवार 23 तारीख की रात्रि में तकरीबन डेढ़ बजे के आसपास सड़क दुर्घटना हुई और उस दुर्घटना में पेटलावद निवासी सी एम राइस स्कूल के शिक्षक इम्तियाज खान की मौत हुई और ड्राइवर व मृतक के परिवार से पत्नी व दो बच्चे बुरी तरह घायल हो गए घटना सारंगी से करीब 7 किलोमीटर दूर ऊनालुपाड़ा के पास हुई यहा लोग बदनावर तरफ से आ रहे थे और एक पुलिया से टकराने के कारण दुर्घटना हुई, इस दुर्घटना में पूरा परिवार पूरी तरह घायल हो गया। फोरलेन बहुत ही जरूरी है और लगातार फोरलेन की मांग हो रही है, लेकिन कोई भी जनप्रतिनिधि इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है। बदनावर-थांदला स्टेट हाईवे से गुजरने वाले वाहनों की संख्या दिन-ब-दिन बढ़ती जा रही है और मार्ग की चौड़ाई नियमानुसार टू लेन से बहुत कम है और अक्सर वाहनों के क्रॉसिंग में वाहन एक दूसरे से बहुत ही पास से गुजरते हैं और अक्सर दुर्घटनाएं होती रहती है। इस रोड का आधा हिस्सा बदनावर से उज्जैन तक फोरलेन हो चुका है और कार्य चल रहा है, लेकिन बदनावर से थांदला तक फोरलेन होना जरूरी है लेकिन इसको फोरलेन नहीं किया जा रहा है। आखिर बदनावर से थांदला तक वाहनों का बहुत ही ज्यादा दबाव है फिर भी शासन-प्रशासन आखिर क्यों फोरलेन नहीं बना रहा है ? क्या किसी बड़ी दुर्घटना के बाद ही शासन-प्रशासन जागेगा और बदनावर, से थांदला को फोरलेन बनाने के लिए कार्य शुरू किया जाएगा, आखिर कब जागेगा शासन-प्रशासन ये सवाल जनता पूछ रही है ?

जिला स्तरीय शांति समिति की बैठक का हुआ आयोजन, भगोरिया उत्सव के सम्बंध में समन्वय से कानून व्यवस्था

माही की गूंज, झाबुआ।

आगामी भगोरिया उत्सव को देखते हुए जिला स्तर पर जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं जिला स्तरीय शांति समिति की सयक्तु बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी रजनी सिंह के द्वारा की गई।

बैठक में सिंह ने कहा कि आगामी दिवस में भगोरिया उत्सव पूर्णतः शान्ति एवं उल्लास से मनाये जाने के लिये बेहतर कानून व्यवस्था की गई है। नशे का सेवन करके उत्पात करने वालो के विरूद्ध सख्त कार्यवाही करने के निर्देश जारी किये गये है एवं पुलिस के द्वारा कानून व्यवस्था के लिये निरन्तर पेट्रोलिग कर सघन जॉच के निर्देश दिये गये है। पुलिस प्रशासन, स्थानिय प्रशासन के द्वारा माकुल व्यवस्था कि गई है, साथ ही आप सभी से भी हम आशा करते है कि आगामी भगोरिया उत्सव में आप भी सहयोग करेगे। जिससे हमारे जिले का सांस्कृतिक पर्व अधिक गौरवशाली एवं वैभवशाली तरीके से मनाया जा सके। आपस में समन्वय से काम करे। हर एक घटना की गंभीरता से लेकर पुलिस प्रशासन को सुचना दे। नगरपालिका एवं जहॉ भगोरिया आयोजित होगे कैमरे से सतत् निगरानी की जायेगी। आप के प्रतिष्ठानों के कैमरे भी दुकान के सामने की तरफ करे जिससे अपराधी तत्व का चिन्हाकंन हो सके।

पुलिस अधीक्षक अगम जैन ने कहा कि भगोरिया उत्सव पर जो गैर निकलेगी आपस में समन्वय करे। भगोरिया के दौरान किसी भी प्रकार की छेडखानी एवं अपराधिक तत्वों की निगरानी करे एवं तत्काल पुलिस को सुचना देना सुनिश्चित् करे। इसके अतिरिक्त शासकीय कैमरो के अलावा स्थानिय लोगो के कैमरों का भी भगोरिया के दौरान घटना की मानिटरिंग करे। भगोरिये से लौटते समय ग्रामीणों के आपस में होने वाले झगडो की सतर्कता से सज्ञान में लाकर सुचना दे। अवैध गतिविधियों विशेष ध्यान रखा जावे। इस बैठक में गणमान्य नागरिकों, सामाजिक संगठनों, राजनीति संगठनों, धार्मिक संगठनों के द्वारा भी अपने विचार रखे एवं सामंजस्य से आगामी पर्वो को मनाने के लिये सहयोग का आश्वासन दिया।

नवीन पुलिया का किया लोकार्पण

माही की गूंज, थांदला। नगर के मध्य एसडीआरएफ योजना अनतर्गत वार्ड क्रमांक 01 में पुराने नगर पालिका कार्यालय के समीप 29.70 लाख के नविन पुलिया का लोकार्पण रतलाम-झाबुआ क्षेत्र के सासंद गुमानसिंह डामोर, अजजा मोर्चा प्रदेशाध्यक्ष कलसिंह भाबर, संगठन मंत्री एवं जिला प्रभारी हरिनारायण यादव, प्रदेश कार्य समिति सदस्य लक्ष्मण सिंह नायक, जिला उपाध्यक्ष सत्येन्द्र यादव, नगर परिषद् अध्यक्ष लक्ष्मी सुनील पणदा, वार्ड पार्षद धापू बहन वसुनिया, समर्थ उपाध्याय, पूर्व न.प.अध्यक्ष बंटी डामोर, श्यामा ताहेड, विश्वास सोनी, भूमिका आशिष सोनी पार्षदगण एवं जनप्रतिनिधिगण निकाय कर्मचारी, शीतल जैन, विजय गिरी, पप्पू बरिया, यशदीप अरोरा, गौरांकसिंह राठोर की उपस्थिति में संपन्न हुआ। उक्त आयोजन का संचालन नगर परिषद् उपाध्यक्ष पंकज राठोड द्वारा किया गया एवं आभार मुख्य नगरपालिका अधिकारी राहुल सिंह वर्मा द्वारा माना गया।

गैस टैंकर एवं पिकअप वाहन में भिड़ंत चालकों को आई चोट

माही की गूंज, पेटलावद। थांदला-बदनावर मार्ग पर मंगलवार को दोपहर बाद पत्थरपाडा के लाड़की नदी के समीप खाली गैस टैंकर एवं पिकअप में भिड़ंत हो गई प्राप्त जानकारी के अनुसार खाली गैस टैंकर जोकि बदनावर से गुजरात की ओर जा रहा था तभी पेटलावद से आ रही पिकअप वाहन की जोरदार भिड़ंत हो गई गनीमत रही कि, गैस टैंकर खाली था नहीं तो बड़ा हादसा हो सकता था, जिसके चलते कोई बड़ी जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा है कि, दोनों वाहन चालकों को मामूली चोट आई है घटना की जानकारी मिलते ही सारंगी पुलिस मौके पर पहुंची और मार्ग को चालू करवाया।

अपराधी प्रवृत्ति के आरोपी से परेशान परिवार ने एसपी से लगाई गुहार

पुलिस ने मामला दर्ज करने के बाद भी नहीं की कार्रवाई, शिकायत की तो बना रहे दबाव

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद थाना क्षेत्र के एक परिवार ने अपराधी प्रवृत्ति के आरोपी से परेशान होकर एसपी से गुहार लगाई है, इससे पहले परिवार एसडीओपी पेटलावद को भी आवेंदन देकर सुरक्षा की मांग कर चुके है। लेकिन पेटलावद पुलिस को जब एसपी को की गई शिकायत की जानकारी मिली तो उल्टा आवेदक पर कार्यवाही करने के लिए पुलिस धमकाने लगी। मंगलवार को एसपी कार्यालय पहुंच कर दुलसिंह पिता बदुडा गरवाल निवासी पंथबोराली ने बताया कि, उसी के गाँव का निवासी बाबु पिता थावरिया मैड़ा जो कि अपराधिक प्रवृत्ति का होकर आए दिन लोगो से विवाद, झगडा व मारपीट करता रहता है और पुलिस रेकार्ड भी खराब है। उक्त व्यक्ति के विरूद्ध थाना पेटलावद में कई मामले दर्ज है व शिकायते की हुई है। उक्त व्यक्ति द्वारा 21 फरवरी को आवेदक के साथ विवाद कर मारपीट की गई जिससे प्रार्थी को सर में गंभीर चोट लगी थी व सर में सात टाकें लगे है। मामले की शिकायत थाना पेटलावद पर मेरे परिवार द्वारा की गई थी, जिस पर बाबु मैड़ा पर 504 और 323 की धारा में प्रकरण भी दर्ज किया गया। शिकायतकर्ता का आरोप है कि, प्रकरण दर्ज होने व आरोपी के अपराधिक प्रवृत्ति के होने के बाद भी थाना पेटलावद द्वारा उक्त व्यक्ति के विरूद्ध कोई कार्रवाई या गिरफतारी नही कि गई जिससे आरोपी के हौसले और बुलंद हो गए है और अब परिवार को धमकी दे रहा है और रात में आवेदक के घर की और आता है और गाली-गलौच कर परिवार को जान से मारने की धमकी देता है जिससे मेरे परिवार में भय व्याप्त है।

जिलाबदर करने की मांग

दुलसिंह गरवाल ने आवेंदन में बताया कि, आरोपी बाबू पुर्व से ही अपराधिक प्रवृत्ति का है और मेरे व मेरे परिवार के साथ किसी भी घटना या वारदात को अंजाम दे सकता है। बाबु आए दिन लोगो से बिना वजह मारपीट और झगडा करता रहता है। आरोपी के मन में पुलिस का कोई भय नहीं है। इस प्रकार के व्यक्ति का समाज के बीच रहना भविष्य में किसी बड़ी घटना को निमंत्रण देता है। आवेदक ने आरोपी पर आवश्यक कानुनी कार्यवाही के साथ आरोपी के पुलिस रेकार्ड की छानबीन कर जिलाबदर करने की मांग कर सुरक्षा की मांग की है।

शिकायतकर्ता को धमका रहा पुलिस वाला

मामले की जांच कर रहे पेटलावद थाने के हेडसाहब शिकायत के बाद भड़क गए और उल्टा आवेदक को ही कह रहे हैं कि, पुलिस फुर्सत में नही है कहकर पुलिस कह रही है तेरे खिलाफ कार्यवाही करें क्या। आवेदक का कहना है कि, शिकायत के बाद हेडसाब बोलते हैं की हमने आरोपी को पकड़ लिया है तुम थाने आ जाओ। जबकि पुलिस ने जब फोन किया उस समय आरोपी हमारे सामने ही था। हेडसाब के लोग आकर बोलते है कि, साहब को खर्चा देना पड़ेगा जब कार्यवाही करेगे। इस प्रकार से पुलिस से सुरक्षा की मांग करने वाले कितने सुरक्षित रहेंगे ये स्वयं ही देखा जा सकता है। मामला एसपी के संज्ञान में जाने के बाद अगर शिकायतकर्ता के अनुसार आपराधिक पुलिस रिकॉर्ड निकलता है तो कड़ी कार्यवाही इस प्रकार के लोगो पर होगी इसकी उम्मीद की जा सकती है। साथ ही वर्दी को बदनाम करने वाले पुलिस वालो पर भी कार्यवाही होनी चाहिये।

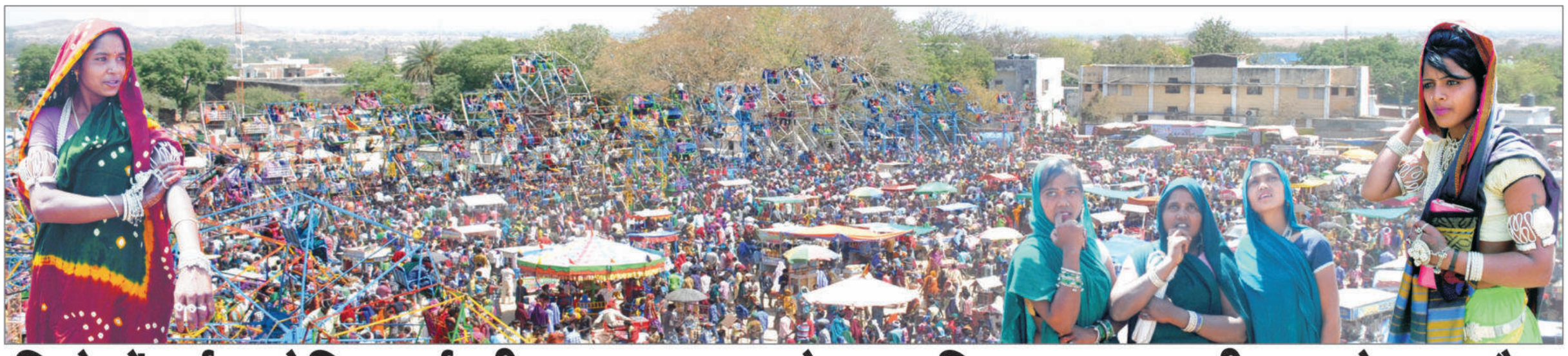

जिले में हुई भगोरिया पर्व की शुरूआत, अगले सात दिन अल्हड़ मस्ती का रहेगा माहौल

आज पारा, हरिनगर, सारंगी, समोई व चैनपुरा में भरेगा भगोरिया

माही की गूंज, झाबुआ।

जिले में बुधवार से भगोरिया पर्व की शुरूआत हो चुकी है। होली के सात दिन पूर्व से आरंभ होने वाला सप्ताहिक पर्व भगोरिया सतत सात दिनों तक चलेगा। इस दौरान क्षेत्र में उल्लास का आलम छाया रहेगा। पहले दिन जिले में सात स्थानों पर भगोरिया मेला लगा। बुधवार को जिले के उमरकोट, माछलिया, करवड़, बोरायता, कल्याणपुरा, मदरानी और ढेकल में बसंती उल्लास के भगोरिये ने अपना रंग बिखेरा। भगोरिया के लगने वाले इन मेलों के लिए व्यापारियों ने पहले से ही तैयारियां कर ली थी। रोजगार की तलाश में जिले से बाहर व अन्य राज्यों में गए हुए मजदूर श्रमिक इसी त्योहार को मनाने के लिए फिर से जिले में लौट आए है। इनके आने से बाजारों में रौनक भी लौट आई है। अब अगले आठ दिन जिले का माहौल सतरंगी दिखाई देगा। जिले में बुधवार को आयोजित हुए सभी भगोरिया मेलों में हालांकि वह रौनक नहीं देखी गई जो हमेशा दिखाई पड़ती है। शुरूआती दौर होने के कारण माहौल थोड़ा ठंडा जरूर है, लेकिन अगले भगोरिया हाटों में उल्लास की अल्हड़ मस्ती दिखाई देगी। जैसे -जैसे होली का त्यौहार करीब आएगा भगोरिये मेलों की रंगत भी परवान चढ़ने लगेगी। हालांकि बुधवार को लगने वाले भगोरिये मेलों में भी काफी हलचल देखने को मिली। ग्रामीणों ने खरीदी के साथ-साथ मेले का आनंद उठाया। ठंडाई, मिठाई, आईक्रिम की दुकानों पर खासी भीड़ देखने को मिली। जगह-जगह ढोल मांदल की थाप पर ग्रामीण थिरकते दिखाई दिए। चूंकि यह साल चुनावी साल है तो राजनीतिक दल भी भगोरिया मेले का पूरा फायदा उठाने में मशगूल दिखाई देंगे। मेलों के दौरान राजनीतिक दलों द्वारा गांव के तड़वी पटेलों का सम्मान भी साफा बांध कर किया जाता है। जिले में लगने वाले लगभग सभी भगोरियों में राजनीतिक दल अपनी-अपनी गैर निकालेंगे और जमकर भीड़ इकट्ठा करेंगे। गैर में उमड़ने वाली भी नेता के वर्चस्व को प्रदर्शित करती है।

अब आने वाले दिनों में जिले के हर गांव में ढोल मांदल की थाप सुनाई देगी। भगोरिया मेलों के दौरान ग्रामीण ढोल मांदल की थाप पर थिरकते नजर आएंगे। जैसे समय बढ़ेगा भागोरिया मेलों की रंगत और अधिक बढ़ती ही चली जाएगी। भगोरिया पर्व की यह मस्ती अब होली तक लगातार चलेगी। जिले में भगोरिया पर्व को लेकर ग्रामीणों व व्यापारियों में खासा उत्साह देखा जा रहा है। जिले के आदिवासी ग्रामीणों के साथ -साथ जिले के व्यापारी भी भगोरिया पर्व का साल भर बेसब्री से इंतजार करते है। क्योंकि भगोरियों के दौरान आदिवासी समाज जमकर खरीदी करता है। जिससे सीधे तौर पर व्यापारियों को आर्थिक लाभ होता है।

आज गुरूवार को जिले के पारा, हरिनगर, सारंगी, समोई व चैनपुरा में भगोरिया मेले का आयोजन होगा। इसके बाद शुक्रवार को कालीदेवी, भगोर, बेकल्दा, और मांडली में भगोरिया मेले लगेंगे। शनिवार को मेघनरग, रानापुर, बामनिया और झकनावदा में भगोरिये का आयोजन होगा। रविवार को झाबुआ, रायपुरिया तथा काकनवानी में, सोमवार को पेटलावद, रंभापुर, मोहनकोट, कुंदनपुर और रजला में मेला भराएगा। मंगलवार को आखिरी भगोरिया रहेगा जो जिले के अंधारवाड़, पिटोल, खरडूबड़ी, थांदला, तारखेड़ी व बरवेट में आयोजित होगा।

कलेक्टर ढेकल बड़ी के भगोरिया उत्सव में हुई शामिल

माही की गूंज, झाबुआ।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह झाबुआ जनपद के ग्राम ढेकलबड़ी के भगोरिये में शामिल हुई, यहां पर प्रशासनिक एवं पुलिस व्यवस्था का जायजा लिया। इस अवसर पर तहसीलदार श्री आशीष राठौर, थाना प्रभारी सुरेन्द्र गाडरिया आदि उपस्थित थे। भगोरिया में बड़ी संख्या में झुले चकरी, एवं खाद्य एवं जनरल सामाग्री की बड़ी संख्या में दुकाने सजी थी। ग्रामीणों में भगोरिया उत्सव के काफी उत्साह देखा गया।

पश्चिमी मध्यप्रदेश के भीली विस्तार में प्रसिद्ध भौंगरिया-भगोरिया (गुलालिया) हाट-बाजारों का करवड़ से हुआ आगाज़

माही की गूंज, करवड़, अरूण (भोला) पाटीदार

आगामी होली पर्व के तारतम्य में 01 मार्च को झाबुआ का विश्व प्रसिद्ध भौंगरिया-भगोरिया(गुलालिया) हाट का आरम्भ जिले के पूर्वी छोर के माही क्षेत्र में बसे करवड़ गाँव से हुआ। आदिवासी संस्कृति के वाहक भील समुदाय के युवाओं ने ढोल-माँदल, थपाली के मधुर सुरीले संगीत एवम् पारम्परिक परिधानों के साथ नगर में मनमोहक नृत्य करते हुए अपनी संस्कृति के निर्वाहन के साथ-साथ नगर के व्यापारिक प्रतिष्ठानों कि शोभा बढ़ा दी। इस अवसर पर ग्राम पंचायत करवड़ के सरपंच विकास बाबूलाल गामड़ ने भगोरिया हाट में पधार सामाजिक कार्यकर्ताओं ओर ढोल मंडली के साथियों का साफा बाँधकर स्वागत किया।

तो अब भगौरिया के रौचक तथ्यों को भी जानें

पश्चिमी मध्यप्रदेश का मालवा-निमाड़ क्षेत्र आदिवासी बाहुल्य होकर भीली सांस्कृतिक लोक परम्पराओं का आदिकाल से वाहक रहा है। भारत देश के वृहद क्षेत्र में बसे भील समुदाय कि मातृपितृ भीली संस्कृति का केन्द्र बिन्दू अविभाजित झाबुआ जिले का सम्पूर्ण क्षेत्र रहा है।

भारतीय आदिवासी संस्कृति के वाहक भील समुदाय की संस्कृति में आदिकाल से लोकपर्वों को अपनी संस्कृति के अनुरूप निराले अंदाज़ में मनाने की परम्परा रही है। लोकपर्व का महत्व पारम्परिक लोकनृत्यों के साथ जुड़कर ओर बढ़ जाता है।

भीली संस्कृति में पारम्परिक नृत्य करने की अनूठी परम्परा

लोकपर्वों के निर्वाहन के साथ भारतीय संस्कृति को गौरवमयी ओर पर्व को आनंदमयी बना देता है । इतिहास कारों ओर भील समुदाय के वरिष्ठजनों के अनुसार भगोरिया हाट की शुरूआत आदिकाल में भील राजा कसूमर डामोर के भगोर राज्य अर्थात वर्तमान के भगोर गाँव से शुरू हुआ था। जो कि होलिका दहन के ठीक पहले लगाया जाता था, ताकि भगोर राज्य की जनता होली के त्योहार को मनाने की आवश्यक वस्तुओं की खरीदी बिक्री कर सके। कालांतर में होली के ये तैवारिये हाट भगौर राज्य से निकलकर पलवाड़, राठ ओर मालवा निमाड़ के सम्पूर्ण भीली विस्तार में भौंगरिया-भगोरिया (गुलालिया) हाट के रूप में प्रचलित होकर जगप्रसिद्ध हो गए।

भगोरिया को लेकर हुई पुलिस मुस्तैद

माही की गूंज, काकनवानी, नरेश पंचाल

1 मार्च से भगोरिया पर्व शुरू हो गया जो पूरे सप्ताह भगोरिया चलेगा जिसको लेकर काकनवानी थाना प्रभारी दिनेश रावत ने अपनी टीम के साथ भगोरिया में शांति बनाए रखने के लिए पूरी तैयारी कर ली है। पहला भगोरिया बुधवार को थाना काकनवानी के अंतर्गत आने वाली चौकी मदरानी में धूमधाम से मनाया गया, जिसने प्रमुख दोनों ही राजनीतिक दलों ने अपने-अपने टीम बनाकर शक्ति प्रदर्शन कर भगोरिया में आए ग्रामीण जनों को होली एवं भगोरिया पर्व की बधाई दी पूरे क्षेत्र से आए ग्रामीणों ने भगोरिया पर्व में जमकर आनंद लिया झूले, चकरी, ठंडा, गुल्फी एवं पान का भी आनंद लेते हुए गले मिलते नजर आए।

इस वर्ष भगोरिया पर्व के शुरुआत में यह पहला भगोरिया होने से भगोरिया में रोनक कम रही एवं किसी भी प्रकार की कोई लड़ाई झगड़ा नहीं हुआ पूरे भगोरिया में थाना काकनवानी की तीनों पुलिस चौकी मदरानी, हरीनगर एवं परवलिया चौकी के सभी जवान अलर्ट रहे कहीं भी कोई लड़ाई झगड़े लूटपाट या घटना नहीं हुई।

राजनीतिक हलचल विकास यात्रा मे किसी नेता ने सांसद गुमानसिंह पर नही दिखाया विश्वास

मंच से भाषण देते रहे उनके खास सिपह सलाहकार लेकिन नहीं बता पाए सांसद की एक भी उपलब्धी

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद विकास खंड में सरकार की योजनाओं के बखान के नाम पर प्रशासन के द्वारा निकाली गई विकास यात्रा पेटलावद विकास खण्ड लगभग फ्लॉप शो साबित हुई। पूरी यात्रा में आगामी चुनाव की तैयारी को लेकर कुछ नेता सतत् यात्रा के साथ घूमते रहे। पंचायत में मंच सजे, भाषणबाज़ी हुई सरकार के विकास को गिना कर गिने चुने हितग्राहियों को प्रमाण पत्र देकर फ़ोटो शेसन कर लिया गया। इस दौरान क्षेत्र के नेताओ ने सरकार की उपलब्धिया गिनवाई ओर पार्टी के साथ खुद का प्रचार करते रहे लेकिन इस पूरी यात्रा में सबसे बड़ी बात ये देखी गई कि, सांसद गुमानसिंह डामोर का कही कोई जिक्र तक नही आया।

पेटलावद पर मेहरबान रहे गुमानसिंह फिर भी भूले नेता

पूरी लोकसभा की बात की जाए तो पेटलावद विधानसभा क्षेत्र में सांसद गुमानसिंह पूरी तरह से मेहरबान रहे हैं। विकास कार्यों के उद्घाटन से लेकर स्वीकृति और टैंकर वितरण तक पेटलावद विधानसभा क्षेत्र में किया है। जिला पंचायत क्षेत्र क्रमांक 12 ओर 13 में अपने चहेतों के लिए उपलब्ध रहने वाले डामर साहब विकास यात्रा में कही कोई चर्चा में नही आए। सबसे बड़ी बाद सारंगी क्षेत्र से लेकर झकनावदा क्षेत्र तक उनके खास मंच पर बैठे भी ओर बड़े-बड़े भाषण भी दिए लेकिन इस दौरान उनके खासम-खास नेता भी इस यात्रा के दौरान सांसद के कामो का बखान मंच से करना तो ठीक धन्यवाद तक नही दे पाए।

पेटलावद विधानसभा से चुनाव लड़ने की चर्चा

भाजपा के कई नेता ये बताते हैं कि, सांसद बने डामोर साहब को विधायकी छोड़ने का पछतावा आज तक है, दिल्ली में उनकी दाल गली नही और प्रदेश की राजनीति में सांसद बन कर कई मोर्चों पर मुह की खाते रहे। अब डामोर साहब प्रदेश की राजनीति में अपना सिक्का जमाने के लिए विधानसभा चुनाव लड़ना चाहते हैं और उसके लिए लगातार पेटलावद विधानसभा में सक्रिय रहे उनके अपने गिने चुने नेताओं की फ़ौज भी इसी क्षेत्र से आती है। हमारे राजनीति सूत्र बताते है कि, विधानसभा चुनाव 2023 में पेटलावद विधानसभा की टिकिट सांसद डामोर अपने हिसाब से चाहते हैं, वही ये भी माना जा रहा है कि, लोकसभा में इस बार उनका टिकिट कटना लगभग तय माना जा रहा जिसको देखते हुए अपना राजनीतिक भविष्य पेटलावद विधानसभा में देख रहे हैं। हॉलाकि यहां निर्मला भूरिया का वर्चस्व रहा है इसलिए खुल कर मैदान में उतरने की बजाए पर्दे के पीछे से कोशिशें कर रहे है, लेकिन विकास यात्रा में सांसद डामोर की अनदेखी से भारी फजीयत हुई है जिसकी कल्पना सांसद ने अपने खास लोगो से नही की होगी।

गौरव दिवस के उपलक्ष्य में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रंगारंग प्रस्तुती

कलेक्टर श्रीमती सिंह भी आदिवासी नृत्य में हुई शामिल

माही की गूंज, झाबुआ।

झाबुआ उत्सव जो झाबुआ गौरव दिवस महोत्सव के रूप में उत्कृष्ट खेल मैदान पर आयोजित था। दोपहर 04:00 बजे से राजवाडा चौक से आजाद चौक, बस स्टेशन होते हुये गौरव दिवस यात्रा उत्कृष्ट खेल मैदान पर पहुची। रैली के दौरान जगह- जगह सम्मान किया गया। रैली में बडी संख्या में लोग शामिल हुये थें। यहां पर यह आयोजन जिला प्रशासन झाबुआ एवं समस्त नागरिकगण के द्वारा संस्कृति के रंग झाबुआ उत्सव के संग के रूप में मनाया गया। इस आयोजन में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव, सांसद गुमानसिंह डामोर, पूर्व विधायक शान्तिलाल बिलवाल, महामंत्री सोमसिंह सोलंकी, मण्डल अध्यक्ष अकुंर पाठक के द्वारा माँ सरस्वती की मूर्ति पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन किया। इस अवसर पर अतिथियों का पुष्पहार से जिला पंचायत के अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी दिनेश वर्मा के द्वारा अभिनन्दन किया गया। झाबुआ गौरव दिवस के इस आयोजन में मध्यप्रदेश गान प्रस्तुत किया गया। मध्यप्रदेश गान के पश्चात् कलेक्टर श्रीमती सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि मुख्य रूप से गौरव दिवस की मूल भावना यह है कि हम हमारे जिले की संस्कृति का उत्सव मनाये, हम उसको आत्मसात करे, उसके बारे में सोचे व उसको बढाने का प्रयास करे। सुबह से लेकर शाम तक जिन भी लोगों ने इसमें सहभागिता की बहुत अच्छा सहयोग मिला हमें उन सबका मै बहुत- बहुत स्वागत एवं अभिनन्दन करती हु एवं धन्यवाद भी करती हूं। हम सब जानते है किसी भी शहर के लिये सफाई बहुत अधिक महत्वपूर्ण है। लगातार स्वच्छता के लिये काम भी होते रहते है और जो लोग ये कार्य करते है। हमारे स्वच्छता कर्मचारी है उनका सम्मान एवं स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

सांसद गुमानसिंह डामोर ने कहा कि कल से भगोरियो कि शुरूआत हो रही है, तो आज हम झाबुआ का गौरव दिवस मनाये। इसी बात को लेकर आज ये प्रोग्राम आयोजित है, भगोरिया पर्व हर्ष और उल्लास का पर्व है, खुशी का पर्व है। भगोरिया का पर्व हमें यह सिखाता है कि हम चाहे कैसे भी अभाव में रहे कितने भी कष्टों मे रहे, कैसे भी स्थिती में हो फिर भी हम हमेशा खुश रहते है। आपने देखा होगा जो हमारे आदिवासी भाई-बहन है वो जीवन भर खुश रहता है, वो अभावों को नही देखता है। वो भाव को देखता है कि ईश्वर ने हमें क्या दिया है, उसी को लेकर खुश होता है।

इस अवसर पर जो लोकनृत्य प्रस्तुत किये गये उसमें प्रमुख रूप से कन्या महाविद्यालय छात्रावास की छात्राये, नवीन कन्या महाविद्यालय छात्रावास की छात्राएं, कर्मचारी पुत्री कन्या महाविद्यालय छात्रावास की छात्राए, शारदा विद्या मन्दिर उ.मा.वि. झाबुआ, केशव विद्यापीठ झाबुआ, छात्रावास की अधीक्षिकाओं का दल, कर्मचारी संगठन की महिलाओं का दल, अन्य एकल एवं सामुदायिक दल के द्वारा बेहतर प्रस्तुति दी गई। जिसे सभी ने मुक्त कंण्ठ से सराहना की। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती सिंह भी आदिवासी नृत्य में शामिल हुए। झाबुआ गौरव दिवस बडे उल्लास एवं उमंग के साथ मनाया गया। सभी के द्वारा अपनी भागीदारी सुनिश्चित की गयी।

व्यापारी संघ के अध्यक्ष संजय काठी एवं सामाजिक कार्यकर्ता नीरज श्रीवास्तव, पदम्श्री से सम्मानित होने वाले रमेश परमार एवं श्रीमती शांती परमार, ग्रीनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में शामिल पुस्तक के सम्मान स्वरूप यंशवत भण्डारी, झाबुआ के वेट लीफटींग के लिये प्रसिद्ध सुशील वाजपाई को झाबुआ के गौरव के रूप में पुष्पहार से एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। गौरव दिवस के उपलक्ष्य में फुटबॉल मैच के विजेता आजाद क्लब एवं शारदा विद्या मन्दिर के द्वारा प्रस्तुत आत्मरक्षा कराटे प्रशिक्षण की छात्राओ का मंच से मेडल देकर सम्मानित किया एवं इसके अतिरिक्त विभिन्न खेल प्रतिभावों को मेडल देकर सम्मानित किया गया।

आयोजन में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह, पुलिस अधीक्षक अगम जैन, सीईओ जिला पंचायत अमन वैष्णव, पूर्व विधायक शान्तिलाल बिलवाल, महामंत्री सोमसिंह सोलंकी, मण्डल अध्यक्ष अकुंर पाठक के द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले दलों को प्रशस्ति पत्र एवं मेडल देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन हरिष कुण्डल के द्वारा व्यक्त किया गया एवं आभार सहायक आयुक्त जनजातीय कार्यविभाग के द्वारा किया गया। आयोजन में भाजपा नगर महामंत्री रवि थापा, जिला मीडिया प्रभारी योगेन्द्र नहार एवं बडी संख्या में गणमान्य नागरिक, प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रोनिक मीडिया के प्रतिनिधि, विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधि, उपस्थित थे।

संपादकीय

'आप' के लिए संकट की घड़ी

आबकारी घोटाले में दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की गिरफ्तारी निःसंदेह, आप को असहज स्थिति में डालने वाली ही है। भले ही आप का शीर्ष नेतृत्व और कार्यकर्ता इसे राजनीतिक दुराग्रह से प्रेरित कार्रवाई बता रहे हों, लेकिन सवाल यह भी है कि कभी भ्रष्टाचार के खिलाफ उम्मीद बनकर उभरी पार्टी के मंत्री व नेता गाहे-बगाहे भ्रष्टाचार के आरोपों में क्यों घिरते नजर आ रहे हैं। पंजाब की आप सरकार के सामने भी ऐसे कई मामले उजागर हुए हैं। हालांकि, कोर्ट से राहत न मिलने के बाद सिसोदिया और मनी लॉंडिंग मामले में गिरफ्तार सत्येंद्र जैन के इस्तीफों के गहरे राजनीतिक निहितार्थ हैं,लेकिन लगता नहीं कि आप का यह संकट जल्दी ही खत्म होने जा रहा है। इसकी वजह यह भी है कि कोर्ट से राहत न मिलने के बाद मनीष सिसोदिया को सीबीआई रिमांड पर भेजा गया है। निस्संदेह, राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोपों से इतर एक तथ्य यह भी है कि दिल्ली की आप सरकार की नयी आबकारी नीति की खामियों पर सरकार के मुख्य सचिव की रिपोर्ट पर ही दिल्ली के उपराज्यपाल ने मामले की सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि आप सरकार गलत नहीं थी तो उसने अपनी नयी आबकारी नीति वापस क्यों ली? दरअसल, इस नीति में शराब की बिक्री में सरकार की भूमिका खत्म करके जिस तरह शराब व्यापारियों को सौंपा गया, उसने कई सवालों को जन्म दिया। आरोप लगा कि मुट्ठीभर शराब कारोबारियों को फायदा पहुंचाने की कोशिश की गई। लेकिन एक बात तय है कि जिस मजबूती से आम आदमी पार्टी का नेतृत्व व कार्यकर्ता मनीष सिसोदिया के समर्थन में खड़े हुए हैं, उसका मकसद इस मुद्दे के भरपूर राजनीतिक निहितार्थ भी हैं। केवल दिल्ली ही नहीं बल्कि चंडीगढ़, हरियाणा व पंजाब आदि में भी आप के समर्थकों ने सिसोदिया की गिरफ्तारी के खिलाफ आंदोलन किये हैं। कहीं न कहीं आप सिसोदिया को राजनीतिक दुराग्रह से पीड़ित दिखाने का प्रयास कर रही है। बहरहाल, सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के इस्तीफे के बाद अब राजनीतिक माहौल के और तल्ख होने के आसार हैं। सवाल यह भी है कि अब केजरीवाल दिल्ली सरकार कैसे चलाएंगे क्योंकि सिसोदिया के पास शिक्षा व वित्त समेत 18 विभाग रहे हैं। सिसोदिया चार मार्च तक सीबीआई रिमांड में रहेंगे, उन्हें रविवार को घंटों चली पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। तैंतीस में से 18 विभाग देखने वाले सिसोदिया के आप सरकार में राजनीतिक कद का अनुमान लगाया जा सकता है। इतना ही नहीं यदि सिसोदिया को लंबे समय जेल में रहना पड़ता है तो अन्य राज्यों में होने वाले चुनावों में आप की सक्रियता पर बुरा असर पड़ेगा। वहीं यदि सीबीआई शराब घोटाले में सिसोदिया के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटा लेती है तो आप सरकार की मुसीबतें और बढ़ जाएंगी। दूसरी ओर पार्टी स्तर पर यदि केजरीवाल अन्य राज्यों में सक्रिय भूमिका निभाते रहे तो उसकी एक वजह यह थी कि सिसोदिया राजकाज को बढ़िया ढंग से संभाले हुए थे। खासकर शिक्षा मंत्री की भूमिका में सिसोदिया की तारीफ भी होती रही है। वहीं विपक्षी दल व राजनीतिक पंडित कहते हैं कि यदि आप खुद को राजनीतिक दुराग्रह से पीड़ित दर्शा पाती है तो उसे इसका राजनीतिक लाभ मिलेगा। लेकिन यदि आबकारी मामले में गिरफ्तार लोगों के बीच सिसोदिया की संलिप्तता साबित होती है तो भाजपा इसका राजनीतिक लाभ उठा सकती है। बहरहाल, फिलहाल केजरीवाल सरकार की बड़ी चिंता हो सकती है कि वर्ष 2015 से दिल्ली सरकार का बजट पेश करने वाले सिसोदिया की गिरफ्तारी के बाद इस बार दिल्ली सरकार का बजट कौन पेश करेगा। वहीं दूसरी ओर विपक्षी दल केंद्र सरकार पर केंद्रीय एजेंसियों को विरोधियों के खिलाफ हथियार के रूप इस्तेमाल करने का आरोप लगा रहे हैं। वे सवाल उठा रहे हैं कि अडाणी और किसी बीजेपी नेता के खिलाफ जांच एजेंसियां क्यों कार्रवाई नहीं करती हैं। वहीं कुछ नेता आप सरकार के मुद्दे पर सामूहिक लड़ाई की बात भी कर रहे हैं क्योंकि अकेले केजरीवाल सशक्त केंद्र का मुकाबला करने की स्थिति में नहीं हैं।

गठबंधन की खुलती गांठों से निस्तेज प्रचंड

केवल 64 दिन की गठबंधन सरकार। चट ब्याह, पट तलाक। हनीमून मनाने तक का अवसर नहीं मिला। ऐसा राजनीतिक गठबंधन, जिसकी गांठें, सही से बंधी नहीं थीं। ढीली हुईं और एक-एक करके खुलती चली गईं। सात पार्टियों के गठबंधन में से तीन पार्टियां बाहर हो चुकी हैं। 14 सांसदों वाली राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी ने शनिवार को नाता तोड़ लिया था। 19 सभासदों वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी ने फरवरी के पहले हफ्ते ही प्रचंड को बाय-बाय बोल दिया था। गठबंधन में सबसे बड़ी नेकपा-एमाले के 79 सांसदों के बूते प्रचंड बहुमत सरकार का दम भरते थे, सोमवार को धड़ाम से ज़मीन पर आ चुके थे। अब उन्हें सत्ता में रहने के वास्ते नेपाली कांग्रेस का सहारा है। गुरुवार शाम को ही तय हो गया था कि ओली से यारी नहीं करनी।

मंगल-बुधवार तक 16 मंत्री पदों की घोषणा कर देने की योजना बन चुकी है। माओवादी गृहमंत्री का पद अपने पास रखना चाहते हैं। नेपाली कांग्रेस को वित्त और विदेश मंत्रालय चाहिए। मगर, प्रचंड प्रधानमंत्री पद पर कितने दिन रहेंगे? सबसे बड़ा सवाल है। जो नया गठबंधन बना है, उसमें नेपाली कांग्रेस, नेकपा-माओवादी केंद्र, नेकपा (यूनिफाइड सोशलिस्ट), जनता समाज पार्टी, जनमत पार्टी, पीपुल्स फ्रंट नेपाल, लोकतांत्रिक समाज हैं। आठ पार्टियों के बीच मंत्री पद बांटकर उन्हें संतुष्ट करना कोई मज़ाक नहीं है। निश्चित मानिये कि मंत्री पद और महत्वपूर्ण मंत्रालय नेपाली कांग्रेस के हिस्से आना है।

275 सदस्यीय नेपाली संसद 'प्रतिनिधि सभा' में नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी सेंटर) के कुल जमा 30 सांसद हैं, उनके नेता प्रचंड कब तक कुर्सी से टिके रहेंगे? लाख टके का सवाल है। पांच साल की सत्ता में ओली की नेकपा-एमाले, ढाई साल बाद सत्ता में साझीदारी करे, इतना सब्र कहां था उनके पास? यह भ्रम तो 9 मार्च, 2023 को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव से पहले टूट गया। 13 मार्च, 2023 तक राष्ट्रपति विद्या देवी भंडारी का दूसरा कार्यकाल है। नेपाली कांग्रेस के राष्ट्रपति प्रत्याशी रामचंद्र पौडेल को प्रचंड का समर्थन मिल रहा था, तभी इसका संकेत मिल गया कि सत्ता के अंतःपुर में सब कुछ सामान्य नहीं चल रहा है।

तय तो यह हुआ था कि राष्ट्रपति एमाले का होगा, ठीक उसी तरह जैसे विद्या देवी भंडारी नेकपा-एमाले मज़बूत स्तंभ की तरह ओली की मददगार रहीं। प्रचंड इस व्यूहरचना को समझ रहे थे कि नेकपा-एमाले का राष्ट्रपति सुबास नेमांग बने तो ओली राजनीति का रिमोट कंट्रोल अपने हाथों से जाने नहीं देंगे। एक जून, 2001 को राजमहल में हत्याकांड के समय यही सुबास नेमांग संसद में स्पीकर थे। राजा बीरेंद्र और रानी ऐश्वर्या समेत 10 लोगों की हत्या की कहानी को स्पीकर नेमांग ने बड़े नाटकीय ढंग से सदन में प्रस्तुत किया था, जिससे उन्होंने राष्ट्रीय शोक को भी हास्य में बदल दिया था। ऐसे नॉन-सीरियस सुबास नेमांग को नेकपा-एमाले ने मई, 2018 में संसदीय दल का उपनेता बनाया था।

नये समीकरण से लगता नहीं कि सुबास नेमांग राष्ट्रपति बन पायेंगे। कोई चमत्कार हो जाए तो अलग बात है। संसद के निचले सदन में ओली की नेकपा-एमाले के 79 सांसद हैं। उनसे बड़ी लकीर 89 सांसदों वाली नेपाली कांग्रेस की है। 21 निर्दलीयों को सब लोग मानकर चलते हैं कि ये शाहे वक्त को सलाम करते हैं। नेपाली कांग्रेस और प्रचंड की नेकपा माओवादी वाले नये समीकरण में 'जनमत पार्टी', 'नागरिक उन्मुक्ति पार्टी' और 'जनता समाजवादी पार्टी' के सांसद दिखेंगे।

पिछले गठबंधन में प्रचंड के आगे पेचोख़म बहुत सारे थे। राजावादी राप्रपा (राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी) ने शर्त रखी थी कि पौष 27 गते (11 जनवरी) को हिंदू राष्ट्र के संस्थापक गोरखाली राजा पृथ्वी नारायण शाह की जयंती के साथ सार्वजनिक अवकाश घोषित कीजिए, वरना हम आपके साथ नहीं हैं। प्रचंड मान भी गये, मगर परिणाम नकारात्मक ही निकला। नागरिकता की हेराफेरी में दोषी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (रास्वपा) के नेता रबि लामिछाने को कोर्ट आदेश से उपप्रधानमंत्री सह-गृहमंत्री का पद छोड़ना पड़ा। दोबारा से नागरिकता मिलने के बाद भी रबि लामिछाने को गृहमंत्री पद न देकर प्रचंड ने संकट को निमंत्रण ही दिया था। पहले राउंड में ही रास्वपा के सभी मंत्रियों ने त्यागपत्र भेज दिया, दूसरा झटका समर्थन वापसी से दे दिया। विगत रविवार को राजा समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी के चार मंत्रियों ने प्रचंड को इस्तीफा भेज दिया था, सोमवार को नेकपा-एमाले के आठों मंत्रियों ने पद त्याग की घोषणा कर दी।

यों भी, इस गठबंधन को केवल राष्ट्रपति चुनाव तक रोक के रखा गया था। ओली चुनाव तक शांत रहने का निर्देश दे चुके थे, मगर प्रचंड ने सार्वजनिक रूप से यह कह दिया था कि मंत्रियों को हटाने का समय आ चुका है। बिना पोर्टफोलियो का मंत्री बने रहना है, तो एमाले के सांसद शौक से बने रहें। 17 जनवरी, 2023 को डॉ. विमला राई पौड्याल को नेपाल का विदेश मंत्री बनाया गया था। विमला राई पौड्याल को जिनेवा मानवाधिकार कौंसिल की बैठक में जाना था। ऐसा देश में पहली बार हुआ कि विदेश मंत्री एयरपोर्ट जाने की तैयारी कर रही थीं, तभी पीएमओ से संदेश आता है कि आप दौरा रद्द कर दें। नेकपा-एमाले के लिए यह निहायत शर्मनाक स्थिति थी। जबकि कैबिनेट ने विमला राई पौड्याल के जिनेवा दौरे को अप्रूव किया था। अब जेनेवा मानवाधिकार कौंसिल की बैठक में नेपाली दल का नेतृत्व प्रचंड के 'मानवाधिकार सलाहकार' गोविंद प्रसाद कोइराला करेंगे।

पुष्परंजन

नेपाल में जो कुछ महाभारत हुआ है, उससे सबसे बड़ा धक्का कम्युनिस्ट एकता को पहुंचा है। केवल दो नेताओं, प्रचंड और ओली की महत्वाकांक्षा से वामपंथी एकता की बलि चढ़ गई। जब 4 अगस्त, 2016 को खड्ग प्रसाद शर्मा 'ओली' ने प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। ओली सरकार पार्टनर में पांच-पांच उपप्रधानमंत्री थे, फिर भी सत्ता चली गई। तब ओली ने दिल्ली के विरुद्ध गोली दागते हुए कहा था, 'मेरी सरकार को गिराने के लिए भारत ने माओवादियों, राजावादियों और तराई की पार्टियों का इस्तेमाल किया।' फिर उन्हीं माओवादियों की मदद से 15 फरवरी, 2018 को केपी शर्मा ओली दोबारा से सत्ता में आ गये। दोस्ती प्रगाढ़ हुई, 17 मई, 2018 को गठित नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (नेकपा) में दो समानांतर अध्यक्ष बने, ओली और प्रचंड। उस समय 441 सदस्यीय सेंट्रल कमेटी में नेकपा-एमाले के 241 और माओवादियों के 200 सदस्य थे। चार साल की संसद में प्रचंड अपेक्षा यह कर रहे थे कि आधा समय उन्हें प्रधानमंत्री पद संभालने का अवसर मिलेगा। उन्हें वो सब मिला नहीं। दोस्ती के साथ-साथ कम्युनिस्ट गठबंधन का भी कुंडा हो गया। एक बार फिर से काठ की हांडी चूल्हे पर चढ़ाने की असफल चेष्टा हुई।

गंभीर अपराधों में सजा दर बढ़ाना जरूरी

किसी भी देश में आपराधिक मामलों में दोष सिद्धि दर वहां की आपराधिक न्याय प्रणाली की कार्यक्षमता एवं सामर्थ्य को दर्शाती है। भारत में दोष सिद्धि दर लगभग 68 प्रतिशत है, वहीं पाकिस्तान में ये 10 प्रतिशत से थोड़ा अधिक है। विकसित देशों जैसे इंग्लैंड व अमेरिका में दोष सिद्धि दर 80 प्रतिशत से भी अधिक है। यहां यह बताना जरूरी है कि हत्या, बलात्कार व हत्या के प्रयास जैसे जघन्य अपराधों में भारत में सज़ा दर 40 प्रतिशत से कम है। दोष सिद्धि दर का कम होना न केवल एक अपराधी को अपराध दोहराने की हिम्मत देना है, बल्कि आपराधिक न्याय प्रणाली पर से पीड़ित, उसके परिवार और समाज के विश्वास को भी उठाता है।

एनसीआरबी के वर्ष 2021 के आंकड़ों से स्पष्ट है कि देश के कई राज्यों में सभी प्रकार के अपराधों में कुल सज़ा दर अभी भी बहुत निम्न है। हाल ही में गृह मंत्रालय द्वारा सूरजकुण्ड, फरीदाबाद में आयोजित सभी राज्यों व केन्द्रशासित प्रदेशों के गृह मंत्रियों के चिन्तन शिविर में आपराधिक मामलों में सज़ा दर को बढ़ाने पर व्यापक विचार-विमर्श हुआ। राज्य एकमत थे कि आपराधिक न्याय प्रणाली की विश्वसनीयता के लिए आवश्यक है कि अधिकतम मामलों में अपराधियों को अदालतों से सज़ा मिले। सही मायनों में दोष सिद्धि दर आपराधिक न्याय प्रणाली की प्रभावशीलता का सबसे सटीक सूचकांक है। भारत में गम्भीर अपराधों में दोष सिद्धि दर का कम होना एक चिंतनीय और विचारणीय विषय है। निःसंदेह दोष सिद्धि को सुनिश्चित करने में पुलिस एवं अभियोजन विभाग की अहम भूमिका होती है।

दरअसल, सज़ा दर को बढ़ाने के लिए सबसे पहला कदम सज़ा दर को आपराधिक न्याय प्रणाली के केन्द्र बिन्दु में लाना होगा। पुलिस व अभियोजन विभागों के मूल्यांकन में सज़ा दर को सबसे महत्वपूर्ण स्थान देना होगा। इसके लिए समयबद्ध और वैज्ञानिक जांच पर जोर डालना व गम्भीर दंडनीय अपराधों के सभी माामलों में फोरेंसिक जांच को अनिवार्य करना आवश्यक है।

पिछले दो दशकों में पुलिस विवेचना में आने वाली दिक्कतों के मद्देनजर सम्बंधित कानूनों में संशोधन कर पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेटों को आवश्यक अधिकार दिये गये हैं। वर्ष 2005 में दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 में संशोधन कर धारा 311ए के तहत मजिस्ट्रेट को आपराधिक मामलों की तफ्तीश के लिए आरोपी सहित किसी सम्बन्धित व्यक्ति को अपने नमूना हस्ताक्षर या लिखावट देने के आदेश देने की शक्ति दी गई। 100 वर्ष से अधिक पुराने कैदियों की पहचान अधिनियम, 1920 को निरस्त कर बीते वर्ष अगस्त में लागू हुआ नया आपराधिक प्रक्रिया (पहचान) अधिनियम, 2022 पुलिस अधिकारी को किसी भी अपराध में गिरफ्तार किए गए व्यक्ति का शारीरिक या जैविक (रैटिना का स्कैन, खून, वीर्य, बालों का नमूना आदि) या हस्ताक्षर या लिखावट का नमूना लेने का अधिकार देता है।

दोष सिद्धि में गवाहों की अहम भूमिका होती है। आपराधिक न्याय प्रणाली में सुधार हेतु गठित मलिमथ समिति ने गवाहों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। वहीं गंभीर अपराधों के मामलों में यह भी सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है कि प्रक्रियात्मक कारणों के चलते ट्रायल में अनावश्यक विलम्ब न हो। आज के सूचना और प्रौद्योगिकी के युग में न्यायिक कार्यवाही अभियुक्त व गवाह की शारीरिक उपस्थिति की जगह तकनीकी माध्यम से उपस्थिति दर्ज कराकर की जानी चाहिए। दंड प्रक्रिया संहिता में अध्याय 22 एवं 23 में कारागारों में बंद विचाराधीन कैदियों की हाजिरी एवं जांचों और न्यायिक प्रक्रिया में साक्ष्य लेने बारे प्रावधान है। दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 273 में कहा गया है कि साक्ष्य आरोपी की उपस्थिति में लिया जाएगा। लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने महाराष्ट्र राज्य बनाम डॉ. प्रफुल्ल बी देसाई 2003 (4) एससीसी 601 में महत्वपूर्ण फैसला देते हुए कहा कि धारा 273 के तहत गवाहों की गवाही वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से करवाई जा सकती है।

दोष सिद्धि दर कम होने का एक महत्वपूर्ण कारण गवाहों का अपने बयानों से पलटना भी है। यह सुनिश्चित किया जाना बेहद आवश्यक है कि यदि ट्रायल के दौरान, विशेषकर गम्भीर मामलों में, गवाह पलटते हैं व झूठे बयान देते हैं तो उनके विरुद्ध दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 340 के तहत कार्रवाई की जाए। गवाहों द्वारा अपने बयान से मुकरने की समस्या के दृष्टिगत दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 161 में वर्ष 2009 में संशोधन कर गवाहों का बयान श्रव्य-दृश्य इलेक्ट्रॉनिक साधनों द्वारा भी दर्ज करने का प्रावधान किया गया। चूंकि धारा 161 सीआरपीसी के तहत पुलिस के समक्ष दिए गए बयानों पर गवाहों के हस्ताक्षर नहीं होते, अतः महत्वपूर्ण गवाहों की ऑडियो और वीडियो रिकॉर्डिंग, विशेषतः गंभीर अपराधों में, अनिवार्य रूप से लागू की जाए।

आलोक मित्तल

गंभीर और संवेदनशील अपराधों विशेषकर महिलाओं और बच्चों के खिलाफ हिंसा के मामलों में दोष सिद्धि दर बढ़ाने हेतु सर्वप्रथम चिन्हित अपराध स्कीम को मध्यप्रदेश में लागू किया गया। इसके अंतर्गत गम्भीर व सनसनीखेज मुकदमों की तफ्तीश व पैरवी की निगरानी वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा की जाती है। इस स्कीम के अंतर्गत अपराधों की दोष सिद्धि दर में मिले अच्छे परिणामों उपरांत इसे अन्य राज्यों द्वारा भी लागू किया गया। अक्तूबर, 2018 में इसे हरियाणा प्रदेश में लागू किया गया।

एक अपराधी को गिरफ्तार करने से लेकर न्यायालय में आरोप साबित करने में वर्षों का समय गुजर जाता है। यदि इतनी मेहनत, संसाधन व ऊर्जा खर्च करने के बाद भी अपराधी को सज़ा न हो पाए तो इसे आपराधिक न्याय प्रणाली की असफलता कहना गलत नहीं होगा। अतः यह सुनिश्चित करना बेहद आवश्यक है कि अपराधियों को, विशेषकर गम्भीर मामलों में दंडित अवश्य किया जाए।

नेतृत्व के मुद्दे पर असमंजस में फंसी भाजपा

रमेश सर्राफ धमोरा

राजस्थान में विधानसभा चुनाव का समय नजदीक आता जा रहा है। मगर भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व के मुद्दे को लेकर लगातार असमंजस में फंसी नजर आ रही है। राजस्थान के आम मतदाताओ को भाजपा से जोड़ने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लगातार राजस्थान के दौरे कर रहे हैं। इसी दौरान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष व राजस्थान भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता गुलाबचंद कटारिया को असम का राज्यपाल बना कर प्रदेश की सक्रिय राजनीति से दूर भेज दिया गया है। राजस्थान में अभी विधानसभा का सत्र चल रहा है। सत्र के दौरान ही विपक्ष के नेता को हटाकर भाजपा आलाकमान ने बता दिया है कि पार्टी राजस्थान को लेकर पूरी तरह से गंभीर है। केंद्रीय नेतृत्व ने प्रदेश में भाजपा को नए सिरे से पुनर्गठित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसी के चलते कटारिया को राज्यपाल बनाकर असम भेजा गया है।

कटारिया के राज्यपाल बनने से खाली हुए नेता प्रतिपक्ष के पद पर भी अभी तक किसी का मनोनयन नहीं हुआ है। हालांकि नेता प्रतिपक्ष बनने की रेस में प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, उपनेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, कालीचरण सर्राफ, नरपत सिंह राजवी, जोगेश्वर गर्ग, अनिता भदेल सहित कई वरिष्ठ विधायक शामिल है। मगर अंतिम फैसला भाजपा आलाकमान को ही करना है। आलाकमान जिसका नाम तय करेगा वही नेता प्रतिपक्ष बनेगा। हालांकि नेता प्रतिपक्ष के पद पर भाजपा आलाकमान की पसंद के विधायक का ही चयन किया जाएगा। मगर इसका मतलब यह नहीं है कि अभी भाजपा आलाकमान जिसे नेता प्रतिपक्ष बनाएगा। वही अगले विधानसभा चुनाव में पार्टी का नेतृत्व करेगा।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व संगठन महासचिव बीएल संतोष अपनी राजस्थान यात्रा के दौरान लगातार कह चुके हैं कि पार्टी राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम व चेहरे पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी के सभी नेता सामूहिक रूप से एकजुट होकर चुनाव लड़ेंगे और प्रदेश में भाजपा की सरकार बनायेंगे। चुनाव के बाद विधायकों द्धारा नए नेता का फैसला किया जाएगा। भाजपा आलाकमान की यही बात वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों को खटक रही है।उनको लगता है कि जिस तरह से एन चुनाव के पहले गुलाबचंद कटारिया को सक्रिय राजनीति से बाहर कर दिया गया। उसी तरह से उनको भी पार्टी में पावर लेस किया जा सकता है। इसी चिंता को लेकर वसुंधरा राजे समर्थक खेमा बार-बार उनको नेता घोषित कर उनके नेतृत्व में चुनाव लड़ने की मांग कर रहा है। हालांकि भाजपा आलाकमान वसुंधरा राजे व उनके समर्थकों की मनसा से पूरी तरह वाफिक है। इसीलिए किसी एक नेता के नेतृत्व में चुनाव लड़ने से कतरा रही है।

राजस्थान के विधानसभा चुनाव में भी गुजरात की तर्ज पर बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों के टिकट काटे जाने की चर्चा चल रही है। इससे लंबे समय से राजनीति में सक्रिय बहुत से वरिष्ठ नेताओं को अपने राजनीतिक भविष्य को लेकर चिंता सता रही है। अपनी राजनीतिक विरासत को बचाए रखने के लिए आलाकमान के राडार पर आए हुए कई भाजपा नेताओं ने तो अंदर खाने दूसरे दलों से भी टिकट लेकर चुनाव लड़ने की योजना पर काम शुरू कर दिया है। नागौर सांसद हनुमान बेनीवाल की राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी, आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री संदीप पाठक तो खुलकर कह रहे हैं कि हम दूसरे दलों के प्रभावशाली नेताओं का पार्टी में स्वागत करेंगे।

कुछ दिनों पहले ही डूंगरपुर से भाजपा के विधायक रहे देवेंद्र कटारा भी आम आदमी पार्टी में शामिल हो चुके हैं। हालांकि भाजपा ने 2018 के चुनाव में खराब परफॉर्मेंस के चलते देवेंद्र कटारा का टिकट काट दिया था। तब कटारा ने निर्दलीय चुनाव लड़कर मात्र 8633 वोट ही प्राप्त किए थे। ऐसे में उनका विशेष जनाधार नहीं बचा है। लेकिन आम आदमी पार्टी तो ऐसे ही नेताओं से अपने संगठन को मजबूत करने में लगी हुई है।

राजस्थान भाजपा में इस समय कई गुट बने हुए हैं। प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पृष्ठभूमि के नेता हैं और प्रारंभ से ही भाजपा से जुड़े हुए हैं। संभ्रांत छवि के कारण उनकी प्रदेश में शालीन छवि मानी जाती है। हालांकि प्रदेश अध्यक्ष होने के चलते पूरा संगठन ही उनका है। मगर प्रदेश की राजनीति में इस वक्त उनका गुट बहुत मजबूत माना जा रहा है।

पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे पिछले विधानसभा चुनाव में हारने के बाद लगातार पार्टी में हाशिए पर चली गई है। वसुंधरा राजे फिर से मुख्यधारा में आकर पार्टी की कमान संभालने का प्रयास कर रही है। मगर आलाकमान उन्हें तवज्जो देने के मूड में नहीं लग रहा है। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री व जोधपुर के सांसद गजेंद्र सिंह शेखावत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पसंद माने जाते हैं। इसीलिए उन्हें राजस्थान की राजनीति में तेजी से आगे बढ़ाया गया है। उन्हें वसुंधरा राजे के विकल्प के तौर पर भी प्रस्तुत किया जा रहा है। मगर संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसाइटी घोटाले में उनका नाम आने से उनकी छवि पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है।

हाल ही में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर अब तक का सबसे बड़ा हमला बोला है। उन्होंने शेखावत पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि संजीवनी घोटाले में इनके परिवार के लोग शामिल हैं। गजेंद्र सिंह के पिता, इनकी माता जी, इनकी पत्नी, इनके साले पांचों लोग उसमें शामिल हैं। गहलोत ने कहा कि जिस व्यक्ति के ऊपर भयंकर आरोप हैं। प्रधानमंत्री ने ऐसे आदमी को मंत्री बना रखा है। प्रधानमंत्री उनकी जांच करें।

गहलोत ने कहा कि संजीवनी घोटाले में पीड़ितों में 80 परसेंट राजपूत हैं। मैंने भगवान सिंह रोलसाबसर से बात की है। वे गजेंद्र सिंह शेखावत के गुरु हैं। मैंने कहा भगवान सिंह जी इसे समझाओ कि पैसा वापस लौटाए। विदेशों के अंदर पता नहीं कितना पैसा लगा रखा है? इथियोपिया, ऑस्ट्रेलिया और भी पता नहीं कितने देशों में गजेंद्र सिंह का पैसा लगा हुआ है। केंद्रीय मंत्री को यह बात क्लियर करनी चाहिए। क्यों नहीं वह ईडी को जांच दिलवा रहे। गहलोत ने कहा कि सीबीआई तो गजेंद्र सिंह और इन लोगों की जेब में है। संजीवनी क्रेडिट कॉपरेटिव सोसाइटी के घोटाले में गहलोत ने गजेंद्र सिंह पर निशाना साधते हुए कहा- आप खुद केंद्रीय मंत्री हैं। यदि आप बेकसूर हैं तो गरीबों का पैसा वापस दिलवाने के लिए आगे क्यों नहीं आते?

अपनी राजस्थान यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 4 महीनों पहले आबू रोड के मानपुर धाम का दौरा किया था। उसके बाद बांसवाड़ा के मानगढ़ धाम, भीलवाड़ा के मालासेरी धाम का दौरा किया। फिर दोसा में एक्सप्रेस हाईवे का उद्घाटन करने आए। यह सभी क्षेत्र आदिवासी, गुर्जर, मीणा बहुलता वाले क्षेत्र हैं। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा यहां कमजोर रही थी। उसी की भरपाई करने के लिए प्रधानमंत्री स्वयं दौरे कर रहे हैं। हालांकि प्रधानमंत्री द्वारा इन धार्मिक स्थलों के विकास के लिए कोई घोषणा नहीं किए जाने से लोगों में निराशा है।

फिलहाल तो प्रदेश में भाजपा के नेता अपना वर्चस्व जमाने के चक्कर में एक दूसरे को छोटा दिखा रहे हैं। ऐन चुनाव के वक्त इस तरह की हरकतों से भाजपा को आने वाले विधानसभा चुनाव में नुकसान उठाना पड़ सकता है। मगर इन सब से अनजान भाजपा के नेता एक दूसरे की टांग खिंचाई में ही लगे हुए हैं। जो किसी कैडर बेस पार्टी के लिये अच्छी बात नही मानी जा सकती है।

खेतों में अफीम की फसल पककर हुई तैयार, किसानों ने बढ़ाई सतर्कता

माही की गूंज, मंदसौर।

जिले की प्रमुख नकद फसल अफीम पककर तैयार हो गई है। अफीम फसल तैयार होते ही किसानों ने खेतों पर सतर्कता बढ़ा दी है। अधिकांश किसान खेतों पर ही रात बिता रहे हैं। पशु-पक्षियों से बचाने के लिए अफीम खेत के आसपास जालियां बांधकर सुरक्षित किया गया है। जिले के कुछ क्षेत्रों में किसानों ने अफीम के डोडे में चीरा लगाने का काम भी शुरू कर दिया है। वहीं कुछ क्षेत्रों में किसान चीरा लगाने से पहले की तैयारी पूरी करने में जुटे हैं। किसानों का कहना है की रोजड़े खेतों में नुकसान पहुंचाते हैं, वहीं अफीम पर चीरा लगाने के बाद तोते भी अफीम को चट करते हैं, इसलिए खेतों को चारों तरफ से सुरक्षित किया गया है।

18 हजार किसानों को पट्टे हुए थे वितरित

अफीम की फसल पकते ही किसान दिन से लेकर रात तक खेतों पर ही बिता रहे हैं। जिले में इस साल नियमित एवं सीपीएस मिलाकर करीब 18 हजार किसानों को पट्टे वितरित हुए थे। मल्हारगढ़ क्षेत्र में किसानों ने अफीम के डोडे में चीरा लगाना प्रारंभ कर दिया है। वहीं मंदसौर व जिले के अधिकांश क्षेत्र में किसान चीरा लगाने की तैयारी में जुटे हुए हैं। किसान सबसे ज्यादा अफीम फसल की सुरक्षा को लेकर सतर्क हैं। अफीम में फूल आने के बाद से ही किसानों ने खेतों में खड़ी अफीम की फसलों के आसपास लोहे की जालियां, तिरपाल बांधना प्रारंभ कर दिया था। अब अफीम तैयार होते ही किसानों ने सुरक्षा और मजबूत कर दी है।

किसानों को 24 घंटे करना होती है पहरेदारी

अफीम खेतों पर किसान 24 घंटे पहरेदारी कर रहे हैं। रात भी खेतों पर ही बिता रहे हैं। किसानों का कहना है की अफीम की फसल को बच्चों की तरह पालते हैं, फसल तैयार हो चुकी है रोजड़े एवं अन्य पशु नुकसान न कर सके इसलिए खेतों पर ही रह रहे हैं। समीपस्थ गांव लालघाटी में चीरा लगाने की तैयारी कर रहे किसान अशोकसिंह ने बताया कि रविवार तक चीरा लगाने का काम शुरू किया जाएगा, इससे पहले सभी तैयारी की जा रही है। पूर्व के वर्षों में जिले में कुछ खेतों से अफीम फसलों से डोडे चोरी होने की घटनाएं भी हुई हैं। इसी को देखते हुए किसान अपने खेतों की सुरक्षा में मुस्तैद हैं।

पक्षियों से बचाव के लिए ऊपर नेट की जाल भी लगाई

अफीम की फसल में डोडे आने के बाद तोते सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। इनसे बचाव के लिए पूरे अफीम क्षेत्र में किसानों ने फसल के ऊपर नेट की जाल बांध दी। इससे पक्षी अंदर आकर डोडों को नुकसान नहीं पहुंचा सके। इसके साथ ही जानवरों से बचाने के लिए खेतों के आसपास जालियां भी दो माह पहले ही किसानों ने बांधना प्रारंभ कर दिया था।

अफीम की निगरानी के लिए खेतों पर बना लिया आशियाना

जिले में काला सोना कहे जाने वाली अफीम की फसल में लुनाई-चिराई का काम शुरू हो गया है। किसान खेतों पर ही रात गुजार रहे हैं। अफीम की फसल तैयार होते ही किसान खेतों को सुना नहीं छोड़ रहे हैं। क्षेत्र में रोजड़े फसलों को नुकसान पहुंचाते हैं, इसके साथ ही चोरी का डर भी बना रहता है। इसी को देखते हुए किसान 24 घंटे खेतों पर ही रह रहे हैं। किसानों का कहना है कि अफीम की फसल को बहुत मेहनत से तैयार किया जाता है। अफीम की फसल की सुरक्षा के लिए किसानों ने खेतों पर अस्थायी आशियाना भी बनाया है। ग्राम सेमली के किसान जमालुद्दीन अजमेरी, अशरफ़ अजमेरी ने बताया कि अफीम की फसल मे चीरा लगाने का काम शुरू होते ही खेतों ही निगरानी कर रहे हैं।

जनपद सीईओ के आदेश से फर्जी एनजीओ संचालक ने लुटी बीस लाख से अधिक की राशि

माही की गूंज, शाजापुर। अजय राज केवट

क्षेत्र के आसपास के ग्रामीण अंचलों में आजकल एक लीलावती जनकल्याण समिति नाम का फर्जी एनजीओ धडल्ले से अपना अवैध कारोबार संचालित कर रहा है और भोले-भाले लोगो को जनपद सिईओ रुशाली पोरस का लिखित आदेश दिखाकर रोजाना मोटी रकम ऐंठकर अपनी जैबे भर रहा है। लीलावती जनकल्याण समिति नाम का यह एनजीओ और किसी की अनुमति से नही यह तो खुद शुजालपुर मुख्य कार्यपालन अधिकारी रुशाली पोरस की छत्रछाया तले शहर के आसपास के गाँवो में बैखोफ होकर संचालित किया जा रहा है। जिसमे पहले तो संचालनकर्ता कर्मचारी व कार्यकर्ता ग्राम पंचायत में पहुँचकर सरपंच-सचिवो को जनपद सीईओ के लिखित आदेशों की प्रतिलिपि दिखाते है ओर सरपंच-सचिवो व चौकीदार को ही लेकर ग्राम पंचायत में भ्रमण के लिए निकलते है। फिर विभिन्न जनहितैषी योजनाओ में नाम जोड़ने व लुभावने प्रलोभन का बोलकर भवनकर के नाम से पचास-पचास रुपये की रसीदे काट देते है। जबकि इस तरह के जबरन वसुली के आदेश न तो राज्य सरकार द्वारा दिए गए है और न ही केंद्र सरकार द्वारा दिये गए है।

क्या रुशाली पोरस मौटा मुनाफा कमाने के चक्कर में साजिशकर्ताओं के साथ हुई है सम्मिलित...?

ग्रामीण अंचलों में रहने वाली जनता को जरा सा भी आभास नही है कि उनके साथ इस तरह से आर्थिक रूप से छलछिद्र किया जा रहा है। जिसमे खुद जनता सेवा में लगी रहने वाली जनपद सीईओ लीलावती जनकल्याण समिति नाम के फर्जी एनजीओ के साथ मिलकर जनता को उनके घरों में नंबर प्लेट लगाने के नाम पर बैवकूफ बना रही है। अंदरखाने से मिली जानकारी के अनुसार विभागीय सूत्र तो यहाँ तक बता रहे है कि, मैडम ने मोटा मुनाफा कमाने के चक्कर मे इन सभी साजिशकर्ताओ से गठजोड़ बनाया है और शुजालपुर जनपद के अंतर्गत आने वाले सभी गांवों में लूट मचाने की खुली छूट दे रखी है।

फर्जी एनजीओ संचालक के विरुद्ध हुई शिकायत

आजकल जनता को नित नए-नए लुभावने प्रलोभनों का लालच देकर अपने झांसे में फसाने वाले लोग शहर भर में फैले चुके है। जिसमे रोजाना धोखाधड़ी करने की नई नई तरकीबे भिड़ाकर भोले भाले लोगो को फसाते है। लेकिन इस तरह का वाक्या पहली बार देखने मे आया है जिसमे राज्य सरकार का अधिकारी ही अपना लिखित आश्वाशन देकर इन जैसे लोगो को पनपने का मौका दे रहा है। वैसे अधिकारी के संरक्षक तले चल रहे इस फर्जी एनजीओ ने अब तक जनता से बीस लाख की अधिक की लूट कर ली है। जिसकी शिकायत वरिष्ठ पत्रकार गोविंद जोनवाल द्वारा उच्च अधिकारियों को की गई है। अब देखना यह होगा कि, कार्रवाई की गाज इन पर कब तक गिरती है।

धर्म छुपाकर अवयस्क बालिका के साथ दुष्कर्म करने वाले को आजीवन कारावास

माही की गूंज, शाजापुर।

न्यायालय विशेष न्यायाधीश, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं चतुर्थ अपर सत्र न्यायाधीश शाजापुर द्वारा आरोपी फिरोज पिता सुल्तान हुसैन (22) निवासी पीताम्बरा कॉलोनी छापीहेडा रोड नलखेडा जिला आगर मालवा को अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम की धारा 3 (2) (व्ही) सहपठित धारा 376 (2) (एन) में आजीवन कारावास एवं 3 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया है। साथ ही लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 5(एल)/6 में 20 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 3 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दंडित किया। मप्र धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 5 में पांच वर्ष का सश्रम कारावास एवं 50 हजार रुपए के अर्थदण्ड, भादवि की धारा 366 में तीन वर्ष के सश्रम कारावास एवं 2 हजार रुपए के अर्थदण्ड, धारा 363 में एक वर्ष का सश्रम कारावास एवं 1 हजार रुपए के अर्थदण्ड एवं धारा 323 भादवि में 1 हजार रुपए के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। आरोपी इमरान खां पिता रफीक खां (28) निवासी अयोध्या बस्ती नलखेडा जिला आगर मालवा को धारा 363 भादवि में भोगी गई कारावास की अवधि 1 वर्ष 4 माह 09 दिन एवं 1 हजार रुपए अर्थदण्ड से दण्डित किया गया। आरोपीगण द्वारा जमा की जाने वाली जुर्माने की राशि व 4 लाख रुपए प्रतिकर स्वरूप पीडिता को दिलाने के आदेश भी न्यायालय द्वारा दिए गए।

जिला मीडिया प्रभारी सचिन रायकवार ने बताया कि, प्रतीक श्रीवास्तव एडीपीओ शाजापुर द्वारा प्रदत्त जानकारी अनुसार पीडिता ने अपनी मां के साथ दिनांक 12 अक्टूबर 2021 को थाना नलखेडा में रिपोर्ट की थी कि, वह आरोपी फिरोज से करीब एक वर्ष पहले से परिचित है। आरोपी फिरोज ने उसे अपना नाम राजेश शर्मा बताया था। उसने उसे एक की-पेड मोबाईल दिया था। आरोपी फिरोज ने उसे शादी का झांसा देकर कई बार शारीरि?क संबंध बनाये। घटना दिनांक 11 अक्टूबर 2021 को रात करीब साढ़े 8 बजे पीडिता घर के सामने स्थित दूध डेयरी पर दूध लेने जा रही थी तभी आरोपी फिरोज एवं इमरान मोटरसाईकिल से आए और उसे गुदरावन पडाना तरफ लेकर जा रहे थे।

आरोपी फिरोज के मोबाईल पर किसी का फोन आया और उसने फोन पर उसे असल्लाम वालिकुम बोला। तब पीडिता ने उससे पूछा कि, तुम मुसलमान हो क्या...? तो आरोपी ने उससे कहा कि, वह फिरोज चने वाला है। इस पर पीडिता ने उससे कहा कि, तुमने अपना नाम राजेश शर्मा क्यों बताया, तुम अभी के अभी मुझे घर छोडो...?

इस पर फिरोज ने उसके साथ मारपीट की और उसका मोबाईल छीनकर तोड दिया। पीडिता के चिल्लाने पर दोनों आरोपी उसे वहीं छोडकर भाग गए। पीडिता की रिपोर्ट पर से थाना नलखेडा में अपराध पंजीबद्ध किया गया। अनुसंधान के उपरांत अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

शासन की ओर से पैरवी देवेन्द्र कुमार मीना, जिला लोक अभियोजन अधिकारी शाजापुर के मार्गदर्शन में विशेष लोक अभियोजक शाजापुर प्रतीक श्रीवास्तव द्वारा की गई। न्यायालय द्वारा अभियोजन के तर्कों एवं अभिलेख पर आई साक्ष्य से सहमत होते हुए आरोपीगण को दोषी पाते हुए दण्डित किया गया।

रिश्वत की मांग करने वाले सहायक राजस्व निरीक्षक को चार वर्ष की सजा व जुर्माना

माही की गूंज, शाजापुर।

विशेष न्यायालय, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम जिला शाजापुर (श्रीमती नीतूकांता वर्मा) के द्वारा आरोपी कांताप्रसाद शर्मा पिता लालजीराम शर्मा, सहायक राजस्व निरीक्षक नगर पालिका परिषद शाजापुर, निवासी-79 महात्मा गांधी मार्ग शाजापुर (म.प्र.) को दोषी पाते हुये भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 में तीन वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपए के जुर्मानें तथा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 13(1)बी सहपठित धारा 13(2) में चार वर्ष के सश्रम कारावास और 10 हजार रुपए के जुर्मानें से दण्डित किया गया।

जिला मीडिया प्रभारी सचिन रायकवार ने बताया कि, आरोपी कांताप्रसाद शर्मा ने दिनांक- 03 अगस्त 2016 तथा इसके पूर्व कार्यालय नगर पालिका परिषद् शाजापुर में सहायक राजस्व निरीक्षक के पद पर पदस्थ रहते हुए आवेदक चन्द्रनाथ सिंह से हाट मैदान स्थित नीलाम दुकान की शेष राशि व उक्त दुकान का आधिपत्य दिलवाने के ऐवज में 50 हजार रुपए रिश्वत की मांग की। दिनांक 06 अगस्त 2016 को 12:50 से 13:00 बजे के मध्य कार्यालय-नगर पालिका परिषद् शाजापुर में आवेदक चन्द्रनाथ सिंह से 10 हजार रूपए रिश्वत राशि प्राप्त की।

लोकायुक्त पुलिस उज्जैन के द्वारा सम्पूर्ण अनुसंधान पश्चात चालान विशेष न्या?यालय शाजापुर में प्रस्तुत किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी सचिन रायकवार, विशेष लोक अभियोजक जिला शाजापुर द्वारा की गई। न्यायालय के समक्ष विशेष लोक अभियोजक सचिन रायकवार के द्वारा लिखित में अंतिम तर्क भी प्रस्तुत किये। अभियोजन के द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य एवं तर्कों से सहमत होते हुये आरोपी को माननीय न्यायालय द्वारा दण्डित किया गया। प्रकरण में ट्रेप कार्यवाही निरीक्षक ईदल सिंह रावत विपुस्था लोकायुक्त कार्यालय उज्जैन के द्वारा की गई थी।

सामूहिक विवाह का होगा विशाल आयोजन

माही की गूंज, शाजापुर।

श्री गोस्वामी समाज मंडल बड़नगर द्वारा 29 वा सामूहिक विवाह सम्मेलन 3 मई 2023 वैशाख सुदी तेरस को बड़नगर में आयोजित हो रहा है। सामूहिक विवाह में समिति द्वारा आदा ग्राम टीप, चार दाने सोने के, नाक काटा, बिछड़ी, अलमारी, पलंग, गादी, रजाई, तकिया, जिस बर्तन स्टील, वर वधु के कपड़े आदि अन्य सामग्री दी जाएगी। वर-वधु प्रत्येक पक्ष से 15 हजार रुपए की सहयोग राशि रखी गई है प्रातः चाय नाश्ता एवं भोजन व्यवस्था प्रातः 11 बजे से रहेगी। आयोजन समिति नेसमाज बंधुओं से निवेदन किया है कि, इस सामूहिक विवाह में अधिक से अधिक जोड़ें सम्मिलित कर कार्यक्रम को सफल बनाएं।

बच्चों की शिक्षा के प्रति संवेदनशील कलेक्टर, जनसुनवाई में आए बच्चे को उसके स्कूल में दिलवाया दाखिला

माही की गूंज, रतलाम।

बच्चों की शिक्षा के प्रति कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी की संवेदनशीलता मंगलवार 27 फरवरी की जनसुनवाई में पुनः देखने को मिली, जब हॉट रोड से आए बच्चे को उसके स्कूल में फीस के अभाव में बाहर निकाल दिया तो कलेक्टर ने स्कूल संचालक को जनसुनवाई में बुलवाया उससे कहा कि बच्चे की फीस रेडक्रॉस से दी जाएगी, बच्चे को पुनः स्कूल में एडमिशन दिलवाया। जनसुनवाई में बालक अहद अपनी माता के साथ आया था। कलेक्टर के अलावा और सीईओ जिला पंचायत श्रीमती जमुना भिड़े, एसडीएम संजीव पांडे, डिप्टी कलेक्टर त्रिलोचन गौड़, तहसीलदार श्रीमती अनीता चोकोटिया ने भी जनसुनवाई की।

इस दौरान 63 आवेदन प्राप्त हुए जिन पर विभागों को दिशा निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में जावरा के दिलीप सूर्यवंशी द्वारा कमजोर आर्थिक परिस्थिति का हवाला देते हुए रोजगार के लिए गुमटी लगाने की इजाजत मांगी गई। आवेदन निराकरण के लिए जावरा नगर पालिका अधिकारी को निर्देशित किया गया। जावरा तहसील के ग्राम पिपलियाजोधा का किसान लतीफ खान पिता अजमेर का द्वारा आवेदन दिया गया कि वह जीवित है परंतु राजस्व विभाग द्वारा बेनेफिशरी स्टेटस में उसको मृत बताए जाने के कारण किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल पा रहा है। आवेदन पर कलेक्टर सूर्यवंशी द्वारा तत्काल जावरा एसडीएम को दूरभाष पर निर्देशित किया गया कि गलती सुधारी जाकर किसान को किसान सम्मान निधि का लाभ दिलवाया जाए। इसी प्रकार सुभाष नगर निवासी मंजूनाथ द्वारा उसके पति की मृत्यु की जानकारी देते हुए आवेदन दिया कि मृत्यु प्रमाण पत्र प्राप्त नहीं हो पा रहा है। समस्या निराकरण के लिए कलेक्टर द्वारा नगर निगम को निर्देशित किया गया। जनसुनवाई में रतलाम की राज बाग कॉलोनी के विकास कुमार जाट द्वारा शिकायत की गई कि उनकी कॉलोनी के प्लॉट नंबर 121 में अवैध रूप से छात्रावास का निर्माण किया जा रहा है जिससे आसपास के लोगों की शांति व्यवस्था भंग होगी। निगम द्वारा अवैध अनुमति भवन निर्माण की दी गई है उसे तत्काल निरस्त कर अवैध निर्माण रोका जाए। कलेक्टर ने शिकायत पर आयुक्त नगर निगम को आवश्यक निर्देश जारी किए।

बेंगलुरू से पकड़ाए चोरी के चार आरोपित चलती जीप से कूदकर भागे

दो भागने में हुए सफल तो दो को वापस लिया हिरासत में

माही की गूंज, मंदसौर।

सोमवार रात में नगर में महू-नीमच राजमार्ग पर बस स्टैंड पर चलती जीप से चार लोग कूदकर भागने लगे। इससे बस स्टैंड पर अफरा-तफरी मची। बाद में जीप सवार अन्य लोग चारों को पकड़ने दौड़े भी सही तो और वहां मौजूद लोगों की मदद से दो को पकड़ लिया। बाकी दो भाग गए। हालांकि जीप पर पुलिस लिखा था पर उसमें सभी लोग सादी वर्दी में थे। और वाहन के नंबर के आधार पर भिंड जिले की पुलिस लग रही थी। थाने पर थोड़ी बहुत जो जानकारी दी गई थी उसका सार यह है कि सादी वर्दी में पुलिसकर्मी बेंगलुरु से इन चारों को चोरी के आरोप में पकड़कर लाए थे। वहीं मंगलवार दोपहर में नीमच जिले के कड़ी आंत्री ग्राम के लोगों ने एक ज्ञापन नीमच सीएसपी को सौंपा जिसमें बताया गया कि बेंगलुरु से उनके गांव के चार लोगों का अपहरण कर लिया गया है।

सोमवार रात में मंदसौर से नीमच तरफ जा रही स्कार्पियो (एमपी 30 सी 5882) के चालक ने मल्हारगढ़ बस स्टैंड पर ब्रेकर के यहां गति धीमी की तो उसमें से चार युवक कूद कर भागने लगे। दो भारतीय स्टेट बैंक के पीछे की ओर भागे, एक नारायणगढ़ रोड पर व एक देवरा चौक तरफ भागा और संजय कुराड़िया, भगतराम राठौर के मकान तरफ गया तो लोगों ने उसे पकड़ लिया। वहीं दूसरे को नारायणगढ़ रोड से पकड़ लिया। बाकी दो भाग गए। हालांकि पुलिस द्वारा आरोपितों को पकड़ना और मौका देखकर भागना सामान्य प्रक्रिया हैं पर जीप से उतरकर आरोपितों के भागने के बाद भी खुद को पुलिसकर्मी बता रहे लोग पहले थाने नहीं पहुंचे।

बातो ही बातों में कह गए- बेंगलुरु से पकड़कर लाए चोरी के आरोपितों को

देवरा चौक से पकड़े गए युवक को जब मल्हारगढ़ के पुलिसकर्मी थाने लेकर आए। इसके बाद स्कार्पियो सवार भी थाने पर आए। यहां पुलिसकर्मियों से चर्चा की और एक आरोपित को लेकर रवाना हो गए। स्कार्पियो सवारों ने बातों ही बातों में बताया कि, यह चोरी के आरोपित हैं और इन्हें बेंगलुरु से पकड़कर ला रहे हैं। और बोला कि बाकी दो को खोजने जा रहे हैं उसके बाद थाने आकर पूरी जानकारी देंगे। मल्हारगढ़ थाने के एसआई आरएस अम्लियार ने उनमें से किसी एक से पूछा कि 2010 में रतलाम जिले में पदस्थ रहे हो क्या तो भी वहीं कहकर गए कि वापस आकर जानकारी देते हैं।

मैं तो कड़ी का ही हूं मुझे छोड़ दो

जीप से कूदकर भाग रहे आरोपित को देवरा चौक में लोगों ने पकड़ा तो वह बोला कि मैं तो यही मनासा तहसील के ग्राम कड़ी आंत्री का ही हूं। मुझे छोड़ दो में कड़ी का हूं। हालांकि लोगों ने उसे छोड़ा नहीं और मल्हारगढ़ थाने पर छोड़ दिया। स्कार्पियो भिंड जिले में दबोह के वार्ड 15 निवासी रामसिया पुत्र मोगाराम शर्मा के नाम से दर्ज है।

इस ज्ञापन से भी जोड़ रहे कड़ी

इधर मंगलवार को नीमच जिले की मनासा तहसील के ग्राम कड़ी आंत्री के कुछ लोगों ने विमुक्त युवा संगठन प्रदेश अध्यक्ष मंगल चौहान के साथ नीमच में एएसपी सुंदरसिंह कनेश से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। इसमें बताया कि हमारे ग्राम कड़ी आंत्री के रोहित पुत्र नाहरसिंह मारू, अंकित पुत्र बनेसिंह मालवीय, ऋतिक पुत्र विनोद मालवीय, राहुल पुत्र उत्तम मारू दिल्ली की कंपनी चेतक लाजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में चालक का कार्य करते हैं। 25 फरवरी को बेंगलुरु में पार्किंग में गाड़िया खड़ी करने के बाद उतरे थे। उसी दिन शाम को मप्र के नंबर वाली स्कार्पियो लेकर आए चार-पांच लोगों ने इन चारों को जबरन गाड़ी में बैठाया और ले गए। यह जानकारी हमें उनके साथ वाले अन्य चालकों ने हैं। उनसे संपर्क करने का प्रयास कर रहे हैं। चारों के मोबाइल पर घंटी तो बज रही हैं पर वह फोन नही उठा रहे हैं इससे आशंका है कि चारों के साथ अज्ञात व्यक्ति कोई भी घटना कर सकते हैं जल्द से जल्द से चारो का पता लगाया जाए।

वही पूरे मामले को लेकर एसडीओपी मल्हारगढ़ मनोज रत्नाकर का कहना था कि, सोमवार रात में मल्हारगढ़ में मुख्यक मार्ग पर स्कार्पियो में से कूदकर भागने की घटना हुई हैं। उसके कहा के पुलिसकर्मी थे कोई जानकारी नहीं मिली है।

वकील पर हमले के आरोपी की गिरफ्तारी को लेकर वकीलों ने किया थाने पर प्रदर्शन

आरोपी की गिरफ्तारी नहीं होने पर कार्य से विरक्त होंगे वकील

माही की गूंज, रतलाम।

अभिभाषक के घर में घुसकर मारपीट करने वाले आरोपी की गिरफ्तारी न होने से आक्रोशित अभिभाषकों ने स्टेशन रोड थाने का घेराव कर जमकर नारेबाजी की। टीआई किशोर पाटनवाला के आश्वासन के बाद वकीलों ने अपना प्रदर्शन समाप्त किया। अभिभाषकों ने कहा कि, अगर आरोपी की गिरफ्तारी नही होती है तो अभिभाषक कार्य से विरक्त रहेंगे। मंगलवार को कुछ अज्ञात बदमाशों ने एडवोकेट वीरेन्द्र कुमार शर्मा के घर में घुसकर एडवोकेट के साथ मारपीट की। एडवोकेट की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के विरुद्ध आपराधिक प्रकरण दर्ज कर लिया था। बाद में मारपीट करने वाले शख्श की शिनाख्त डोसीगाव निवासी शांतिलाल मालवीय के रुप में हुई। लेकिन तब तक आरोपी फरार हो चुका था। आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग को लेकर जिला अभिभाषक संघ के सदस्यों ने आज स्टेशन रोड पुलिस थाने पर पंहुचकर घेराव किया। अभिभाषक संघ के अध्यक्ष अभय शर्मा के नेतृत्व में बडी संख्या में वकील थाने पर पंहुचे और उन्होने जमकर नारेबाजी की। पुलिस प्रशासन हाय हाय और आरोपी को गिरफ्तार करों जैसे नारे लगाए गए।वकीलों के प्रदर्शन को देखते हुए टीआई किशोर पाटनवाला थाने पर पंहुचे। उन्होने वकीलों को आश्वस्त किया कि पुलिस पूरी तत्परता से आरोपी को तलाश कर रही है, और उसे जल्दी ही पकड लिया जाएगा।

टीआई पाटनवाला ने बताया कि, आरोपी के मोबाइल की लोकेशन ट्रेस कर ली गई है। उसकी तलाश में बीती रात को भी छापे मारे गए थे,लेकिन वह फरार हो चुका था। टीआई ने वकीलों को भरोसा दिलाया कि आरोपी शीघ्र ही हवालात में होगा। टीआई के आश्वासन के बाद वकील न्यायालय लौट गए।

बाइक सवार बदमाशों ने किया था हमला

उल्लेखनीय है कि, अभिभाषक वीरेंद्र शर्मा के साथ दो बदमाशों ने मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। शर्मा ने स्टेशन रोड थाने में केस दर्ज करवाया है। आरोपी अपनी बाइक मेरे घर के सामने ही भूल गए, जिसका नंबर एमपी 43 ईई 3094 है।

पुलिस ने बताया कि, परिवहन विभाग के पोर्टल से मिली जानकारी के अनुसार बाइक सेजावता निवासी शांतिलाल मालवीय की निकली है। अभिभाषक मनोज शर्मा ने बताया कि मालवीय के खिलाफ हमने मंगलवार को अखबार में विज्ञप्ति प्रकाशित की थी। इसमें हमारे पक्षकार सखी ज्वैलर्स के प्रोप्राइटर यशवंत मेहता की ओर से बताया था कि उनके संस्थान में मार्केटिंग का व्यवसाय करने वाले शांतिलाल मालवीय ने कार्य बंद कर दिया था। आरोपियों को गिरफ्तार करने की मांग पर अभिभाषक संघ ने बुधवार को स्टेशन रोड़ थाने का घेराव कर थाना प्रभारी किशोर पाटनवाल से आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग की संघ ने सौपे ज्ञापन में वकीलों पर हो रहे हमलों की निंदा कर काम से विरक्त रहने की घोषणा भी की।

व्यापम ने सेटिंगबाजों से मिलीभगत कर शिक्षक वर्ग एक का परीक्षा केंद्र 500 किलोमीटर दूर दे दिया

रतलाम, मंदसौर, नीमच के 4 से 5 हजार अभ्यर्थी परेशान, व्यापम बेरोजगार अभ्यर्थियों के साथ कर रहा षड़यंत्र- सकलेचा

माही की गूंज, रतलाम।

व्यापम ने शिक्षक वर्ग एक की 1 मार्च 2023 से प्रारंभ होकर पूरे मार्च तक चलने वाली भर्ती चयन परीक्षा के लिए रतलाम, मंदसौर और नीमच के लगभग 3 हजार से 5 हजार अभ्यर्थियों को सेटिंगबाजो से मिलीभगत करके, उन को लाभ पहुंचाने के लिए सागर, रीवा, जबलपुर इत्यादि केंद्र दे दिया। व्यापम चयन परीक्षा नहीं बेरोजगार अभ्यर्थियों के साथ षड्यंत्र कर रहा है। यह आरोप युवाम के संचालक पारस सकलेचा ने लगाया।

सकलेचा ने कहा कि, सागर, रीवा, जबलपुर शहर की रतलाम, मंदसौर, नीमच से औसत दूरी 500 किलोमीटर है तथा वहां के लिए 2 दिन में एकबार मात्र एक ट्रेन चलती है, जिससे नाम मात्र की जगह होती है। एक बेरोजगार अभ्यर्थी का, महिला अभ्यर्थी का, विकलांग अभ्यर्थी का, सागर, रीवा, जबलपुर आदि शहर जाना-आना और वहां रुकने का खर्च मिलाकर ढ़ाई हजार रुपए और उसके बाद मानसिक और शारीरिक संत्रास कितना होगा, इसकी कल्पना की जा सकती है। ऐसे में अभ्यर्थी अपना सही परफारमेंस कैसे दे पाएगा...? उसे संविधान के अनुसार प्रतिस्पर्धा का समान अवसर कैसे प्राप्त होगा...? एक गंभीर प्रश्न है, क्या व्यापम के अधिकारियों को इस बात का अंदेशा नहीं है कि, यह परीक्षा बेरोजगार युवा के लिए आयोजित की गई है। जो बमुश्किल परीक्षा की फीस की व्यवस्था कर सकता है। वह 500 किलोमीटर आने और जाने, रुकने आदि का ढाई हजार रुपया खर्च कहां से करेगा। सरकार को चाहिए की व्यापम को निर्देश दें की नए सिरे से अभ्यर्थी को उचित, अनुकूल, इस प्रकार का परीक्षा केंद्र आबंटित करें की सुविधा का संतुलन बेरोजगार अभ्यर्थी के पक्ष में हो, ना कि परीक्षा में फर्जीवाड़ा करने वाले सेटिंगबाजों और उन्हें संरक्षण देने वाले व्यापम के भ्रष्ट अधिकारियों के पक्ष में हो।

खनिज का अवैध परिवहन व उत्खनन पर 7 वाहनों को जप्त कर पुलिस थानों की अभिरक्षा में खड़ा किया

माही की गूंज, धार।

कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार खनि अधिकारी जेएस भिडे के नेतृत्व में खनि निरीक्षक जगनसिंह भिण्डे तथा संदेश पिपलोदिया एवं खनिज टीम द्वारा गत दिवस खनिज का अवैध परिवहन व उत्खनन पर कार्यवाही करते हुए 4 वाहनों को जप्त कर पुलिस थाना नौगांव की अभिरक्षा में खड़े किये गये है। इसी प्रकार खनिज टीम द्वारा पुलिस विभाग बाकानेर के सहयोग से मंगलवार को भ्रमण के दौरान ग्राम रतवा, उरदना, दग्गडपुरा से खनिज का अवैध उत्खनन / परिवहन पर कार्यवाही करते हुए एक मशीन तथा 2 वाहनों को जप्त कर पुलिस थाना मनावर तथा चौकी बाकानेर की अभिरक्षा में खड़े किये गये है एवं सुनील पिता उंकार मुजाल्दे निवासी उरदना तहसील मनावर के विरूद्ध एफआईआर पुलिस चौकी बाकानेर में दर्ज कराई गई है। उपरोक्त वाहनों के विरूद्ध म.प्र. खनिज (अवैध खनन परिवहन तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियमो के तहत अर्थदण्ड की कार्यवाही की जा रही है।

इट राईट टूलकीट पर आयोजित हुआ प्रशिक्षण

माही की गूंज, खरगोन। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय स्थित प्रशिक्षण केन्द्र में इट राईट टूलकीट पर प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में संतुलित आहार, फुड फॉर्टिफिकेशन एवं एक हजार दिवस की महत्वता समस्त गर्भवती, धात्री एवं बच्चो की ग्रोथ तथा सुरक्षित खाद्य सुरक्षा एवं सुरक्षित खाद्य प्रणाली के संबंध में प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीएस चौहान ने समस्त सीएचओ को मातृ मृत्यु तथा शिशु मृत्यु को रोकने हेतु प्रयास करने के संबंध में शपथ दिलवाई गई। एवं प्रशिक्षण रश्मि हेरी एवं शबाना मंसूरी द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में डीपीएम, डीसीएम एवं भगवानपुरा, भीकनगॉव तथा गोगॉवा के कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर उपस्थित रहे।

राज्यसभा सांसद ने विद्यार्थियो से की परीक्षा पे चर्चा

माही की गूंज, बड़वानी। बुधवार से माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल अंतर्गत प्रारंभ हुई कक्षा 10वीं की परीक्षा में सम्मिलित हुए छात्र-छात्राओं से राज्यसभा सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने परीक्षा उपरांत चर्चा कर उन्हें आत्मविश्वास के साथ परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए प्रेरित किया। चर्चा के दौरान विद्यार्थियों ने बताया कि, प्रथम प्रश्न पत्र बहुत अच्छा रहा। इस दौरान सांसद डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी ने कक्षा 10वीं एवं 12वीं के समस्त छात्र-छात्राओं से संवाद कर उन्हें सकारात्मकता के साथ आगे बढ़ने तथा आत्मविश्वास के साथ आगे की परीक्षा के समस्त प्रश्न पत्र हल करने हेतु प्रेरित एवं प्रोत्साहित किया।

सभी हितग्राही मुलक योजनाओं के लक्ष्य पूर्ण करें- कलेक्टर

माही की गूंज, धार।

सभी हितग्राही मुल्क योजनाओं के लक्ष्य पूर्ण करें। मध्यप्रदेश राज्य आजीविका मिशन में स्व सहायता समूह के लिए हर दिन की प्लालिंग तैयार करें। पीएम स्वनिधि का लक्ष्य समय पर पूर्ण हो। बैंक मैनेजर शासकीय योजनाओं के प्रकरणों का रोजाना रिव्यू करें। आरसीसी में रिकवरी को अच्छे से रिस्पांस दे। इसमें दिक्कत आने पर एलडीएम को अवगत कराएं, इस कार्य को रूचि लेकर करें। बैंक केस के लिए वकील को प्रकरण का अच्छे से ब्रीफ किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर प्रियंक मिश्रा ने कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित विशेष जिला स्तरीय परामर्श दात्री समिति की बैठक में दिए।

कलेक्टर मिश्रा ने बैठक में विभिन्न शासकीय ऋण योजनाओं की प्रगति तथा मार्च वित्तीय वर्ष का अंतिम माह होने के करण सारे लक्ष्य को प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि बैंक द्वारा ऋण वसूली के लिए सम्बन्धित देनदारों का नाम क्षैत्र में एनाउंस किया जाए। वसूली की कायर्वाही लगातार चलती रहे। पीएमईजीपी के प्रकरणों में बैंक समयसीमा में कार्यवाही करें। इसके लिए आवेदक को किसी भी प्रकार की परेशानी न आए। इसके साथ ही इसमें आवेदक को स्किल डेवलपमेंट के लिए कोर्स भी करवाया जाए। जिन आवेदकों के फॉर्म डाक्यूमेंट की कमी के कारण रिजेक्ट किया गया है। उनसे सम्पर्क कर डाक्यूमेंट की पूर्ति करें। साथ ही उनके आवेदन को स्वीकृत कराएं। जिससे वे अपनी रूचि के क्षेत्र के कार्य को अच्छे से समझ पाएं। उद्यम क्रांति में पोर्टल पर डाटा अपडेशन का कार्य लगातार चलता रहे। इस कार्य की प्रति सप्ताह मॉनीटरिंग करे।

उन्होंने कहा कि, मनावर में मुख्यमंत्री ग्रामीण पथकर विक्रेता योजना के कार्य में कम प्रगति है, इस कार्य में सुधार लाए। उन्होंने कहा कि लोगों को सिविल खराब होने के कारणों के बारे में जानकारी दी जाए। जिससे वह इस प्रकार की गलती न करें और अपनी सिविल खराब न होने दें। म.प्र. आदिवासी वित एवं विकास निगम अपनी विभागीय योजना में लक्ष्य अनुरूप प्रगति लाए। सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों सभी बैंक विशेष ध्यान दे। शिकायतों के निराकरण नहीं होने से जिले की रेंक कम हो रही है। इस कार्य की लगातार मॉनीटरिंग करते रहे। बैठक में प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम प्रधानमंत्री निधि, मुख्यमंत्री पथ विक्रेता, पीएमएफएम, संत रविदास आर्थिक स्वरोजगार योजना, बिरसा मुंडा स्वरोजगार, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर आर्थिक कल्याण योजना, टंट्या मामा आर्थिक कल्याण योजना की समीक्षा कर सभी बैंकों के प्रमुखों एवं विभाग प्रमुखों को योजनाओं के प्रकरणों को समय सीमा में स्वीकृत/वितरित करने के निर्देश दिए।

बैठक में मुख्य कायर्पालन अधिकारी जिला पंचायत केएल मीणा सहित संबंधित विभाग के अधिकारी व विभिन्न ब्रांच के बैंक मेनेजर मौजूद रहे।

कलेक्टर ने जप्त किए पिक-अप वाहन एवं घरेलू गैस सिलेण्डरों को किया राजसात

माही की गूंज, बड़वानी।

कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग ने आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 की धारा 6 ए के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए खाद्य विभाग द्वारा पूर्व में दर्ज प्रकरण में जप्त किये गये अवैध रूप से सिलेण्डर का परिवहन एवं भण्डारण करने वाले वाहन एवं उसमें रखे हुए 52 नग गैस सिलेण्डरों को राजसात किया है।

कलेक्टर कार्यालय से प्राप्त जानकारी अनुसार जप्त पिकअप वाहन एवं 52 नग घरेलू गैस सिलेण्डर ग्राम चाचरिया निवासी श्री पंकज मालवीय के है। पिकअप क्रमांक एमपी 46 जी 0871 को 3 लाख रुपये एवं एचपीसी घरेलू गैस सिलेण्डर क्षमता 14.2 केजी के 18 भरे व 34 खाली कुल 52 नग कीमत 40 हजार रुपये शासन हित में कलेक्टर ने राजसात किये है। उन्होने जिला आपूर्ति अधिकारी को निर्देशित किया है कि वे अनावेदक पंकज मालवीय से जप्तशुदा उपरोक्त सम्पत्ति की राशि चालान के माध्यम से शासन कोष में जमा कराये। राशि जमा कराने के पश्चात् ही जप्तशुदा सम्पत्ति अनावेदक को मुक्त की जाएगी।

महेश्वर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पर्यटन स्थल और महिला टूरिस्ट के लिए पूरी तरीके से सुरक्षित- कलेक्टर

माही की गूंज, खरगोन।

प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन स्थल योजना के अंतर्गत सुरक्षा ऑडिट एवं अधोसंरचना अंतराल पर बुधवार को आयोजित एक दिवसीय कार्यशाला महेश्वर में किया गया। इसका शुभारंभ कलेक्टर शिवराज वर्मा द्वारा किया गया। कार्यशाला का शुभारंभ करते हुए कलेक्टर वर्मा ने कहा कि, परियोजना के अंतर्गत महिला सुरक्षा पर कार्य किया जा रहा है और आज हम सभी पर्यटन के महत्व को समझते हैं। पर्यटन स्थल पर हम चाहते है कि मूलभूत सुविधाएं हो। महिलाओं की भागीदारी और प्रतिनिधित्व हो। महेश्वर एक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त पर्यटन स्थल है। यहां के अहिल्या घाट का पानी सबसे साफ है। हम महेश्वर को स्वच्छ एवं नशा मुक्त पर्यटन स्थल बनाने का कार्य करें।

कलेक्टर वर्मा ने कहा कि, इस परियोजना के अंतर्गत स्थानीय समुदाय की भागीदारी से स्वच्छता एवं सौंदर्यीकरण के लिए प्रयास किए जाएंगे। सुरक्षा अंकेक्षण एवं अधोसंरचना अंतराल के संबंध में इस कार्यशाला में विभिन्न विभागों एवं सामाजिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा एवं फील्ड विजिट के माध्यम से एक कार्य योजना का निर्माण किया जाए। जिला प्रशासन से उसे साझा करें। हम विभागीय स्तर पर प्रशिक्षण स्टेक होल्डर्स का क्षमता वर्धन एवं पर्यटन संबंधी रोजगार में महिलाओं की प्रतिनिधित्व बढ़ाने के लिए कौशल विकास प्रशिक्षणों का आयोजन सभी पर्यटन स्थलों पर क्रियान्वयन सहयोगी संस्थाओं के माध्यम से किया जा रहा है।

कार्यशाला की पूर्व संध्या को सहभागियों द्वारा सहस्त्रधारा, बस स्टैंड एवं नर्मदा घाट पर फील्ड विजिट किया गया। इसके अनुभव साझा करते हुए अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त भोपाल रिचा चौबे ने कहा कि, किसी भी स्थान का चेहरा वहां के लोग अधोसंरचना और अपराधों से होता है। हमने पाया कि महेश्वर बहुत ही सुरक्षित है और यहां के निवासी शांतिप्रिय है। प्राचीन नगरी होने के कारण अधोसंरचना में कुछ गैप है। जिन्हें विभाग, सामाजिक संस्थाओं और स्थानीय समुदाय के समन्वय से पूर्ण किया जा सकता है।

कार्यशाला में एसडीएम अग्रिम कुमार, मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड से संयुक्त संचालक पीके सिन्हा, पर्यटन नोडल नीरज अमझरे, सीएमओ मनोज शर्मा सहित विभिन्न जिलों से नगरीय निकाय से उपयंत्री, पुलिस विभाग से एसआई, महिला डेस्क प्रभारी, सामाजिक संस्थाएं और परियोजना के अंतर्गत संकुल समन्वयक ने भागीदारी की।

परियोजना का परिचय देते हुए मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड से जेंडर सलाहकार डॉ. आलोक चौबे ने बताया कि, परियोजना के अंतर्गत सुरक्षा अंकेक्षण एवं अधोसंरचना अंतराल के अवलोकन के साथ ही आत्मरक्षा और समुदाय की भागीदारी से महेश्वर को महिलाओं के लिए सुरक्षित बनाने के लिए रणनीति और योजना पर कार्य करेंगे।

कलेक्टर अधिकारियों के साथ पहुंचे भगोरिया हाट में और जाना आदिवासी संस्कृति को

माही की गूंज, बड़वानी।

जिले में 28 फरवरी से 6 मार्च तक लगने वाले भौंगर्या हाट बाजारों का शुभारंभ हो गया है। बुधवार को ग्राम सिलावद में लगे भौंगर्या हाट बाजार में कलेक्टर डॉ. राहुल फटिंग अपनी धर्मपत्नि एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ पहुंचे। इस दौरान उन्होने जहां ढोल-मांदल की थाप पर नृत्य किया। वही भौंगर्या क्यो मनाया जाता हैं यह भी जाना। इस दौरान ग्रामीणों ने उन्हे बताया कि आदिवासी अंचलों में होली के 7 दिवस पूर्व से भौंगर्या मनाया जाता है। जहां पर हाट बाजार लगता है वहां पर आदिवासी अंचल के लोग जाकर होली के त्यौहार के मद्देनजर अपने परिवार के सदस्यों एवं बच्चों के लिए सामान खरीदते है। साथ ही ढोल-मांदल की थाप पर नृत्य कर गुलाल उड़ाते है। इस पर कलेक्टर ने भी अपने छोटे बच्चे के लिए सिलावद के भौंगर्या हाट से खिलौना खरीदा। इस दौरान कलेक्टर के साथ अपर कलेक्टर श्रीमती रेखा राठौर, एसडीएम बड़वानी घनश्याम धनगर, तहसीलदार बड़वानी श्रीमती आशा परमार, सहायक संचालक महिला एवं बाल विकास विभाग श्री अजय कुमार गुप्ता भी थे।

कार्यालय कलेक्टर एवं सक्षम प्राधिकारी जिला झाबुआ

क्रमांक 1598/कालोनी/ 2023 दिनांक 21/02/2023

-:: सार्वजनिक सूचना ::-

(म.प्र. नगरपालिका (कालोनी विकास) नियम 2021 के नियम 23 (2) के अंतर्गत)

नगर परिषद पेटलावद के सीमा क्षेत्र में विद्यमान ऐसी अनधिकृत कॉलोनियाँ जो दिनाक 31.12.2016 के पूर्व से ही अस्तित्व में हैं , को नागरिक अधोसरचना प्रदान के उददेश्य से चिन्हित किए जाने की प्रक्रिया नगर परिषद के द्वारा प्रारंभ की जा रही है । इस प्रक्रिया के तहत उक्त निर्दिष्ट तारीख अर्थात दिनांक 31.12.2016 तक अस्तित्व में आई अनधिकृत कॉलोनियों को नागरिक अधोसंरचना प्रदान करने हेतु चिन्हित करने के लिए नगर परिषद के द्वारा व्यापक सर्वेक्षण प्रारंभ किया गया है । सर्वेक्षण के दौरान सर्व संबंधितजन अनधिकृत कॉलोनी से संबंधित आवश्यक जानकारी एवं दस्तावज उपलब्ध करा सकते हैं । उक्त अनुक्रम में एतद् द्वारा सर्वसाधारण एवं आमजन को यह भी सूचित किया जाता है कि . ऐसी अनधिकृत कालोनिया जो दिनांक 31.12.2016 तक अस्तित्व मे आई है की पुष्टि हेतु समस्त आवश्यक जानकारी / दस्तावेज नगर परिषद के कार्यालय में 15 दिवस के भीतर प्रस्तुत कर सकते ।

कलेक्टर एवं सक्षम अधिकारी
नगर परिषद पेटलावद

गूंज असर : बीएमओ ने स्वास्थ्य कर्मचारियों को केंद्र पर रहने का आदेश किया जारी

स्वयं बीएमओ आम्बुआ में कब कार्यालय सहित रहेंगे....?

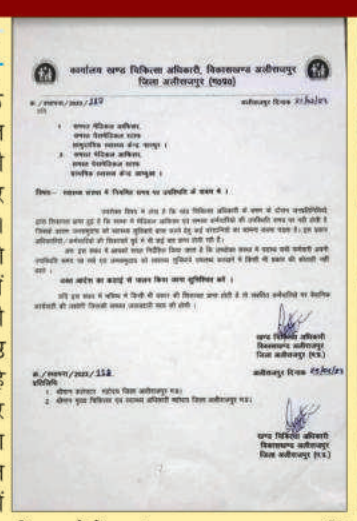

माही की गूंज, आम्बुआ।

स्वास्थ विभाग के विभिन्न कारणों से विगत महीनों से अधिकारियों की शिकायतें विभिन्न मंचों पर उठाई जाती आ रही है। इसमें बी.एम.ओ कार्यालय आम्बुआ में पुनः स्थापित करने की शिकायत पर वरिष्ठ अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। विगत दिनों समाचार पत्रों में इस आशय का समाचार पुनः प्रकाशित होने तथा विकास यात्रा में भी शिकायत करने के बाद बी.एम.ओ ने स्वयं का बचाव करते हुए स्वास्थ केंद्र के चिकित्सकों एवं अन्य कर्मचारियों को नोटिस जारी कर स्वास्थ्य केंद्र पर समय से उपस्थित रहने के निर्देश जारी किए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार आम्बुआ नवीन स्वास्थ्य केंद्र भवन के लोकार्पण 07/11/22 से लेकर 25/02/23 विकास यात्रा तक कई शिकायतें तथा कई समाचार प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में सुर्खियां में रहने के बावजूद बी.एम.ओ साहब अपना कार्यालय अलीराजपुर से पुनः आम्बुआ में संचालित करते। और करें भी क्यों उन्हें किसी ना किसी ऊंची पहुंच का वरदहस्त प्राप्त होता लग रहा है। वरना प्रभारी मंत्री, विधायक, जिलाधीश के आदेश और विधायक प्रतिनिधि को शिकायत के बावजूद बीएमओ कार्यालय आम्बुआ में पुनः स्थापित नहीं होना क्या दर्शाता है। बार-बार की शिकायतों से अपने को बचाते हुए खंड चिकित्सा अधिकारी कार्यालय अलीराजपुर से स्थापना 223/117 दिनांक 25/02/23 को एक पत्र स्वास्थ केंद्र आम्बुआ एवं नानपुर को जारी कर लिखा गया कि, समस्त मेडिकल ऑफिसर, पैरामेडिकल स्टाफ आदि के विषय में ब्लॉक मेडिकल अधिकारी को शिकायतें मिली है कि स्टाफ समय पर उपस्थित नहीं होने से नागरिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं मिलने में परेशानी हो रही है। अतः समय पर उपस्थित रहें वरना कार्यवाही की जाएगी।

प्रश्न यह उठता है कि, स्वयं ब्लॉक मेडिकल अधिकारी (बी.एम.ओ) कब कार्यालय सहित उपस्थित होंगे...? जब स्वयं नहीं रहेंगे तो अन्य कर्मचारी क्या करते होंगे...? यह विचारणीय नहीं है।

त्यौहारिया हाट की धूम रही, जमकर हुआ धंधा व्यवसाय

माही की गूंज, आम्बुआ।

आदिवासी बाहुल्य जिला अलीराजपुर में जब भी कोई त्यौहार आता है उसके एक सप्ताह पूर्व पड़ने वाला साप्ताहिक हाट बाजार को त्यौहारिया हाट कहा जाता है। जिसमें त्योहार संबंधी सामग्री की खरीदारी की जाती है। आगामी दिनों में आदिवासी संस्कृति का पर्व भगोरिया तथा सभी सनातन समुदाय का होली त्यौहार मनाया जाना है। जिसके लिए 28 फरवरी मंगलवार को क्षेत्र में त्यौहारिया हाट बाजार का आयोजन हुआ।

त्यौहार पूर्व खाद्य सामग्री कपड़े, श्रृंगार का सामान आदि की खरीदी एक सप्ताह पूर्व की जाती है। इसी के मद्देनजर 28 फरवरी को आम्बुआ में त्यौहारिया हाट बाजार में ग्रामीणों की भारी भीड़ देखी गई तथा जमकर खरीदारी ग्रामीणों ने की। युवक-युवतियों ने फैंसी कपड़े तथा श्रृंगार सामग्री के साथ-साथ गहनों की खरीदारी की। बुजुर्गों ने त्योहार से संबंधी पूजन तथा खाद्य सामग्री की खरीदारी की। इसी के साथ-साथ ग्रामीणों ने बकरे तथा मुर्गों की खरीदी भी की। जिस कारण इनका भाव भी अधिक रहा। हालांकि अधिकांश ग्रामीण गुजरात मजदूरी हेतु गए हैं, कुछ वापस लौट रहे हैं। अभी रबी की फसलें नहीं आई है जिस कारण आर्थिक तंगी के बावजूद ग्रामीणों ने व्यवस्था कर सामग्रियां खरीदी। बताते हैं कि, लाखों की खरीदी बिक्री होने से व्यापारियों में हर्ष है। आगामी सात दिनों तक व्यापार-व्यवसाय चलने की उम्मीद है।

महिला मंडल ने धूमधाम से मनाया फाग उत्सव

माही की गूंज आम्बुआ।

बसंत पंचमी तथा शिवरात्रि के पावन पर्व के साथ ही रंगों का त्योहार होली के पर्व की शुरुआत हो जाती है। लगभग एक-दो सप्ताह तक रंगारंग आयोजन होते रहते हैं। इसी कड़ी में आम्बुआ महिला मंडल द्वारा भी रंगारंग फाग उत्सव मनाए जाने के समाचार है।

टेसू के पेड़ों पर केसरिया रंग के फूल तथा अमराई में आम के पेड़ों पर मौर (बौर) जैसे ही आने लगते हैं और बसंत पंचमी तथा शिवरात्रि पर्व मनाए जाते हो तो यह होली के रंगारंग त्यौहार का आगमन माना जाता है। सरसों के खेतों से फूलों की भीनी-भीनी महक फूलों पर भंवरों की गुंजार इस त्यौहार की पूर्व सूचना मानी जाती है। होली दहन के पूर्व ही लगभग एक सप्ताह तक होली संबंधी आयोजन में फाग उत्सव भी एक है। आम्बुआ महिला मंडल द्वारा 27 फरवरी को शाम के समय शंकर मंदिर प्रांगण में सनातन हिन्दू समाज की महिलाओं ने एकत्र होकर संगीत के साथ बरसाना (ब्रज) में आयोजित होने वाले फाग उत्सव की तरह रंगारंग फाग उत्सव मनाया। जिसमें श्रीमती दीपांशी गोविंदा माहेश्वरी तथा श्रीमती सपना विमल खंडेलवाल ने राधा-कृष्ण का रूप सजा कर फूलों से होली खेली। सभी उपस्थित महिलाओं ने भी होली गीत भजन कीर्तन की धुन पर नृत्य करते हुए फूलों की वर्षा कर फाग उत्सव मनाया, कार्यक्रम देर रात तक चलता रहा। मंडल द्वारा आगामी दिनों में धुलैण्डी, रंग पंचमी तथा शीतला सप्तमी मनाए जाने पर विचार विमर्श किया जाकर त्यौहार मनाने का निर्णय लिया गया है। कार्यक्रम में राठौड़ समाज, माहेश्वरी, खंडेलवाल, गुप्ता (पोरवाल) जैन समाज, राजपूत समाज, सेन समाज, जयसवाल समाज, दर्जी, ब्राह्मण समाज विश्वकर्मा आदि अनेक समाज की महिलाओं ने भाग लिया।

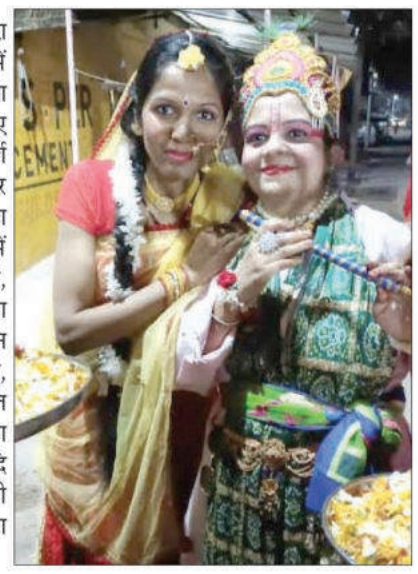

मंदिर का हैंडपंप ठीक होने से भक्तों में हर्ष

माही की गूंज, आम्बुआ।

कस्बे के वार्ड क्रमांक दो में स्थित आस्था के केंद्र हथिनेश्वर मंदिर प्रांगण का हैंडपंप तकनीकी कारणों से खराब होकर पानी रुक रुक कर तथा कड़ी मशक्कत के बाद आ रहा था जिसे हैंडपंप मैकेनिक ने ठीक कर दिया।

कस्बे के शंकर मंदिर प्रांगण में एक हैंडपंप लगा हुआ है जिसमें जलस्तर भी अच्छा है। समीप हथिनी नदी भले ही पूरी तरह सूख गई है मगर इसके बावजूद इस हेडपंप में 12 माह पानी की अच्छी आवक बनी रहती है। यहां पर दर्शन करने पुजा पाठ करने तथा शिव जी को एक लोटा जल चढ़ाने प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में धर्म प्रिय भक्त आते हैं। यहां लगे हैंडपंप में विगत तीन-चार दिनों से पानी की आवक कम होने तथा पानी रुक-रुककर आने आदि की परेशानी के कारण सभी परेशान थे। हैंडपंप मेकेनिक हसन अली खान को कुछ शिव भक्तों ने जानकारी दी तो उन्होंने हैंडपंप चला कर देखा तथा सिलेंडर खराब होने की बात कही। इसके बाद उन्होंने पी.एच.ई विभाग अलीराजपुर से सिलेंडर मांगा तथा 27 फरवरी को हैंडपंप खोलकर सिलेंडर डाला। जिसके बाद हेडपंप अच्छी हालत में होकर अब पानी भरपूर मात्रा में देने लगा है। हेडपंप ठीक हो जाने से भक्तों में हर्ष व्याप्त है।

हैंडपंप मैकेनिक ने गूंज प्रतिनिधि को बताया कि, कस्बे में जितने हैंडपंप बंद पड़े हैं उनका जल स्तर बहुत नीचे चला गया है। जिस की जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई है। जैसे ही वहां से पाइप मिलते हैं वैसे ही पाइप बढ़ाने का कार्य कर दिया जाएगा। क्योंकि आगामी समय गर्मी का तथा तीज त्यौहारों का है। जिस कारण हैंडपंप दुरुस्त रखना जरूरी माना जा रहा है।

आहरण एवं संवितरण अधिकारियों एवं कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित

माही की गूंज, अलीराजपुर।

आयुक्त कोष एवं लेखा ज्ञानेश्वर पाटील के निर्देशानुसार, संचालक कोष एवं लेखा डॉ. राजीव सक्सेना के मार्गदर्शन तथा कलेक्टर राघवेन्द्र सिंह के दिशा निर्देशन में जिले के समस्त आहरण एवं संवितरण अधिकारियों एवं उनके अधीनस्थ कर्मचारियों का प्रशिक्षण आयोजित हुआ। वरिष्ठ कोषालय अधिकारी जिला अलीराजपुर डीडी मिश्रा, सहायक कोषालय अधिकारी शैलेन्द्र बामनिया एवं सहायक पेंषन अधिकारी दिलीप गणावा ने समस्त प्रशिक्षणार्थी अधिकारी-कर्मचारीगण को आईएफएमएस सोफटवेयर के संचालन में आ रही कठिनाइयों के निराकरण के लिए संबंधित प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण में सर्विस मैटर, पेंषन, इम्प्लाय सेल्फ सर्विस, पेय रोल, रिसीप्ट एवं डिस्बर्समेंट, डिपोजिट मॉड्यूल, ई सिग्नेचर, ई कुबैर, आधार लॉक अप सर्विस, अखिल भारतीय सेवा अधिकारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि, पंचायत सचिव एम्पलाई कोड जनरेट करने आदि का विषयों का प्रषिक्षण प्रदान किया गया। उक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत तहसील जोबट, चंद्रशेखर आजाद नगर, सोंडवा, कट्ठीवाडा एवं अलीराजपुर में पदस्थ अधिकारियों एवं कर्मचारियों का दो शिफ्ट में प्रशिक्षण आयोजित हुआ। उक्त प्रशिक्षण ई गर्वनेस प्रशिक्षण कक्ष जनपद पंचायत अलीराजपुर आयोजित हुआ।

मप्र का बजट, यह जनता की सेवा का नही बल्कि सिर्फ भाजपा के भ्रष्टाचार का बजट साबित होगा- सिसनोरिया

माही की गूंज, शाजापुर। मध्यप्रदेश का बजट एक मार्च को पेश होने जा रहा है। जिस पर आम आदमी पार्टी के नेता राजेश सिसनोरिया ने भाजपा सरकार को घेरते हुए कहा है कि, यह मध्यप्रदेश को जनता की सेवा का बजट नही बल्कि भाजपा के भ्रष्टाचार का बजट साबित होगा। जिस तरह इस वर्ष का जो कुल बजट 2 लाख 79 हजार 237 करोड़ रुपए है और सरकार ने इस राशि को ग्राम पंचायत से लेकर तो सरकार की सभाओं तक खर्च किया। भाजपा सरकार में जगह जगह भ्रष्ट्राचारी बेंठे है जो इस राशि को जन जन तक पहुंचने से पहले ही साफ कर देते है। भाजपा के नेताओ का विकास हुआ वो आत्म निर्भर हुए। शिवराज सरकार तो जनता के सपनो को कुचलने का काम कर रही है। प्रदेश की जनता आज बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, अन्याय, उत्पीड़न से तो जुंझ रही है। प्रदेश में न अच्छी शिक्षा व्यवस्था है, न स्वास्थ व्यवस्था, न ही रोजगार की व्यवस्था है। मेले में आई कंपनिया बेरोजगारों के नाम नम्बर लिखती है और सरकार इसे ही रोजगार प्राप्ति के आंकड़े बता देती। कंपनिया फ्री में रजिस्ट्रेशन करने का दावा करती है और बाद में कार्यालय बुलाकर बहुत से युवाओं से उनको सेलरी और काम के नाम पर पैसे ले लेते है और काम भी नही देती। आने वाले वर्ष का बजट 25 हजार करोड़ रुपए ज्यादा होगा यानी जनता के जेब काट कर सरकार 3 लाख करोड़ से ज्यादा इकट्ठा करेंगी। चुनावी वर्ष में भाजपा इस राशि का भ्रष्ट्राचार करके अपने चुनाव प्रचार और विधायक खरीद फरोट के लिए प्रयोग कर सकती है। लेकिन जनता को इसमें से कितना क्या मिलने वाला है। यह जनता सब जानती है।

बेटी बचाओं बेटी पढ़ाओं योजना के तहत प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा ''बेटी बचाओं-बेटी पढ़ाओं'' योजना के अंतर्गत बाल विवाह की रोकथाम एवं बालिका शिक्षा, बालश्रम एवं किशोर स्वास्थ्य, बाल सुरक्षा एवं बाल अधिकार, बालकों का लैंगिग उत्पीड़न, घरेलू हिंसा एवं किशोर न्याय अधिनियम एवं पीसीपी, एनडीटी अधिनियम से संबंधित मुद्दों पर एक दिवसीय जिला स्तरीय प्रषिक्षण का आयोजन रखा गया। विभागीय परियोजना अधिकारी, ब्लॉक समन्वयक, पर्यवेक्षक महिला एवं बाल विकास एवं अशासकीय संस्थाओं, बाल कल्याण समिति, चाईल्ड लाईन, जन सहास एवं एजूकेट गर्ल्स अधिकारी/कर्मचारीयों के साथ प्रशिक्षण सह कार्यशाला में सहभागिता की गई। ममता यूनिसेफ के जिला समन्वयक द्वारा उक्त विषयों पर विस्तृत जानकारी दी जिला कार्यक्रम अधिकारी, प्रभारी सहायक संचालक, अधीक्षक, महिला एवं बाल विकास के कर्मचारी उपस्थित थे।

आईएसआई से संबंध के शक में हिरासत युवक को पूछताछ के बाद छोड़ा

इंदौर।

बुधवार को इंदौर पुलिस ने जानकारी दी कि पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी संगठनों से जुड़ाव के शक में इंदौर में हिरासत में लिए गए 40 वर्षीय व्यक्ति को लम्बी पूछताछ के बाद छोड़ दिया गया है क्योंकि उसके बारे में भारतीय जांच एजेंसियों को फिलहाल कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है।

पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने बताया, हमें मिली खुफिया सूचना के आधार पर शहर के चंदन नगर थाना क्षेत्र में रहने वाले 40 वर्षीय व्यक्ति से पूछताछ की गई और उसके बारे में जांच की गई। इसमें हमें उसके खिलाफ फिलहाल कुछ भी आपत्तिजनक नहीं मिला है, इसलिए हमने उसे घर जाने दिया है। उन्होंने बताया कि, इस व्यक्ति से कहा गया है कि अगर वह आने वाले दिनों में विदेश यात्रा करता है, तो पुलिस को इसकी सूचना देगा।

पुलिस की खुफिया शाखा के उपायुक्त (डीसीपी) रजत सकलेचा ने बताया कि, वर्ष 2005 से 2018 के बीच चीन और हांगकांग में रहे इस व्यक्ति से मुंबई पुलिस और राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की ओर से मिली इस सूचना पर पूछताछ की गई कि उस पर आईएसआई या आतंकी संगठनों से जुड़े होने का संदेह है। सकलेचा ने बताया कि, यह व्यक्ति चीन और हांगकांग में 2005 से 2018 तक रेस्तरां और मोबाइल बिक्री के क्षेत्रों में नौकरी कर चुका है।

डीसीपी ने बताया कि, पूछताछ के दौरान इस व्यक्ति ने अपने बचाव में कहा कि एक चीनी महिला से उसके तलाक को लेकर चीन में मुकदमा चल रहा है और महिला के वकील ने उसे फंसाने के लिए भारतीय खुफिया एजेंसियों को उसके खिलाफ गलत शिकायत की। उन्होंने बताया कि वर्ष 2018 में इंदौर लौटने के बाद इस व्यक्ति ने चौथी शादी की थी। सकलेचा ने बताया कि, मध्यप्रदेश की आर्थिक राजधानी कहे जाने वाले इस शहर में यह व्यक्ति दवाओं, कपड़ों और तेल का कारोबार कर चुका है। डीसीपी ने बताया, यह व्यक्ति महज पांचवीं पास है, लेकिन विदेश में रहने के कारण वह चीनी और अंग्रेजी भाषाएं सीख चुका है।

प्रेमी के लिए महिला ने की पति की हत्या, खेत में गाड़ दिया शव

मुरैना।

जिले में एक दर्दनाक मामला सामने आया है। यहां पड़ोसी के प्यार में एक महिला ने प्रेमी संग मिलकर पति की गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या के बाद साक्ष्य नष्ट करने की नीयत से उन्होंने शव को एक सरसों के खेत मे गाड़ दिया। घटना स्टेशन रोड थाने के बुद्धाराम का पुरा गांव की है। पुलिस ने एक माह की पड़ताल के बाद आज शव खेत से बाहर निकाल लिया। पुलिस ने पत्नी और उसके प्रेमी के खिलाफ मामला दर्ज कर दोनों को गिरफ्तार कर लिया है।

मुरैना शहर के स्टेशन रोड थाना क्षेत्र के बुद्धाराम का पुरा गाँव निवासी तुलाराम जाटव का 35 वर्षीय बेटा रामहेत उर्फ लल्लू पिछली 23 जनवरी को संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गया था। लापता होने के तीन बाद उसके पिता ने मृतक की पत्नी से पूछा तो उसने बताया कि 3 दिन पहले किसी काम की कहकर बाहर गए थे, इसके बाद वापिस नहीं लौटे है। इसके बाद तुलाराम ने अपने स्तर से बेटे की काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। थक हार कर तुलाराम ने स्टेशन रोड थाने में बेटे के गायब होने की सूचना दर्ज कराई।

पुलिस ने मामला दर्ज कर उसकी खोजबीन शुरू की। स्टेशन रोड थाना पुलिस हर एंगल से पड़ताल कर रही थी, लेकिन पुलिस के हाथ कोई जानकारी नहीं लगी। इसके बाद पुलिस को पूछताछ में पता चला कि रामहेत की पत्नी के पड़ोसी युवक के साथ संबंध है। पुलिस ने रामहेत की पत्नी का मोबाइल फोन टटोला तो पूरा राज सामने आ गया। इसके बाद पुलिस ने रामहेत की पत्नी और उसके प्रेमी को उठाकर लॉकअप में सख्ती से पूछताछ की तो दोनों ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया। पूछताछ में रामहेत की पत्नी ने बताया कि, उसका पति शराबी था। शराब के नशे वह उसे प्रताड़ित करता था। उसका पिछले एक साल से पड़ोस में रहने वाले एक युवक के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा है। पिछले 6 महीने से दोनों के बीच शारीरिक संबंध भी बने हैं। दोनों साथ-साथ रहना चाहते थे, इसलिए उन्होंने रामहेत की हत्या का प्लान बनाया और मिलकर मौत के घाट उतार दिया।

विगत 23 जनवरी की रात को रामहेत शराब के नशे के घर आया। घर आते ही वह अपने कमरे में सो गया। पति के सोते ही पत्नी ने छत पर चढ़कर अपने प्रेमी को घर बुला लिया। इसके बाद दोनों ने गला घोंटकर हत्या कर दी। हत्या करने के बाद उन्होंने शव को सरसों के खेत मे गाड़ दिया। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर मंगलवार की शाम को सरसों के खेत से शव बरामद कर इस मामले का खुलासा कर दिया। पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है।

शराब ठेकेदार के पक्ष में नीति बनाने वाली सरकार, उमा को संतुष्ट करने के लिए अहाते बंद करने का ढकोसला

गांव-गांव में बिक रही अवैध शराब पर शिवराज को कोई एतराज नहीं लेकिन शराब पीकर वाहन चलाने वाले के होंगे लाइसेंस निरस्त

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमिल मंसुरी

2003 में भाजपा की उमा भारती सरकार ने बड़े शराब ठेकेदारों की मोनोपॉली खत्म करते हुए एकल शराब दुकान प्रणाली लागू की गई, जिसमें सरकार का ध्येय यही था कि, बड़े शराब ठेकेदार अपनी मोनोपॉली चलाकर बड़े रूप से शराब ठेके की आड़ में अवैध शराब बिक्री का कार्य किया जाता है। वहीं एकल प्रणाली के साथ बड़े ठेकेदारों की मोनोपॉली खत्म होने के साथ ही जिले व गांव स्तर के उन लोगों को भी लाभ मिलेगा जो स्थानीय स्तर पर अवैध शराब बेचते हैं। वे इस ठेके पद्धति से एक-एक दुकान लेकर अपना व्यवसाय बिना किसी मोनोपॉली के साथ सीधे सरकार द्वारा आबकारी नीति के तहत ड्यूटी वाली ही शराब बेची जाएगी। जिससे सरकार को प्रदेश में बिकने वाली शराब का पूरी मात्रा में राजस्व मिलेगा साथ ही अवैध शराब बिक्री पर अंकुश होकर कई लोगों को इस नीति से जोड़ने का प्रयास किया गया था। और छोटे लोगों में उत्साह होकर शराब व्यवसाय से जुड़े छोटे लोगों ने उमा भारती की शराब नीति से खुश हुए नतीजन अपने भाग्य आजमाकर लाटरी पद्धति से शराब दुकानें भी आवंटित हुई। जिससे बड़े ठेकेदारों की मोनोपॉली पूरी तरह खत्म हो चुकी थी लेकिन शिवराज सरकार ने बड़े ठेकेदारों को लाभ पहुंचाने व छोटे ठेकेदार को धीरे-धीरे दरकिनार हो जाए की पॉलिसी बनाई। एकल प्रणाली की शराब नीति को ग्रुप प्रणाली यानी की एक से अधिक दुकान बड़े ठेकेदारों अनुसार दो से लेकर चार से पांच दुकानों का ग्रुप बनाकर नीति में फेर बदल कर दुकाने दी गई।

वहीं दुकानों में प्रतिवर्ष लॉटरी की बजाए रिन्यूअल की व्यवस्था की गई जिसमें बड़े ठेकेदारों ने ग्रुप रूपी शराब दुकाने आवंटित होने के बाद सभी बड़े ठेकेदारों ने अपनी आय को अत्यधिक एवं अपना एकाधिकार पुनः स्थापित करने के लिए सेंडिकेट के रूप में एक हो गए। तथा यह सेंडिकेट इतना प्रभावित हो गया कि आने वाले 2023-24 के चुनाव में भाजपा उम्मीदवारों को लेकर भी इनकी सहमती सर्वमान्य मानी जावेगी की स्थिति में है।

2022-23 में भी कमपोजिट दुकान के साथ ठेकेदारों को पहुंचाया बड़ा लाभ

कहने को तो मध्यप्रदेश में 3608 दुकान शराब की है और शराब दुकान से शराब लेकर बैठक व्यवस्था के रूप में शराब पीने हेतु आहते 2611 थे। 3608 कुल शराब दुकानों में देशी व विदेशी की प्रथक-प्रथक शराब दुकानें थी, लेकिन शिवराज सरकार ने एक बड़ा लाभ शराब ठेकेदारो को पहुंचाने के लिए 2022-23 नीति के तहत कमपोजिट दुकान की नीति लागू करने के साथ ही देशी शराब पर विदेशी व विदेशी पर देशी शराब बेचने की व्यवस्था कर सीधे रूप से दो गुना दुकानें करने का कार्य किया है।

इस नीति के साथ सरकार ने भले ही टीपी परमिट को 2022-23 की नीति में बंद किया गया था। जिसमें एक शराब दुकान से दूसरी शराब दुकान पर शराब लाने लेजाने में यह टेम्प्रेरी परमिट था। लेकिन शराब ठेकेदारों को एक शराब दुकान से दूसरी शराब दुकान पर शराब लाने लेजाने के नाम पर अवैध शराब बेचने में टीपी परमिट बंद होते ही परेशानियों का सामना करना पड़ा। नतीजन शराब ठेकेदारों के पक्ष में पुनः कुछ ही दिनों में एक कैबिनेट बैठक के साथ शराब ठेकेदारों को अवैध रूप से शराब सप्लाई करने का माध्यम टीपी परमिट को पुनः पूर्व की तरह लागू कर दिया गया।

2023-24 की नई आबकारी नीति के तहत सरकार ने उमा भारती के विरोध के बाद शराब दुकानों के पास सिटी में संचालित होने वाले 2611 आहते को बंद करने की नीति बनाई। साथ ही कोई वाहन चालक शराब पीकर वाहन चलाता है तो उसके लाइसेंस निरस्त करने की नीति भी बनाई। शिवराज की यह नीति महज ही उमा भारती को संतुष्ट करने के लिए ही बनाई गई है यह स्पष्ट दिखाई दे रहा है। क्योंकि शिवराज सरकार 2023 में अपनी चुनावी बाज़ी जीतने के लिए फिलहाल सभी रूठो को संतुष्ट करने की नीति अपनाकर 2023 के चुनाव में अपनी बाजी जितना चाहते हैं। लेकिन शिवराज कि यह दोगली नीति कहां तक सार्थक होगी यह तो चुनाव व चुनाव परिणाम के बाद ही पता चलेगा, लेकिन हकीकत तो यह है कि, शिवराज चौहान की सरकार में शराब माफियां बेखोफ है और आहते तो प्रदेश में आबकारी रिकॉर्ड अनुसार 2611 थे लेकिन असल में सर्व सुविधा के साथ अवैध रूप से शराब के अड्डे जहां बैठकर शराब पिलाई जाने वाले अड्डे उर्फ आहते एक-एक जिले में ही 2611-2611 से भी अधिक है।

आदिवासी बाहुल्य जिला झाबुआ व अलीराजपुर की ही बात करें तो दोनों जिले गुजरात से सटे होकर दोनों जिलों में गांव-गांव में अवैध शराब दुकानें होकर दिनदहाड़े हो या रात के अधियारे चौबीसों घंटे खुलेआम शराब ठेकेदार गोदामों से अवैध रूप से शराब भरकर वाहनों से शराब ढोई जाती है। वही गांव-गांव में शराब के अवैध अहाते होकर मंदिर हो या स्कूल या मुक्तिधाम हो या कब्रिस्तान के साथ ही पुलिस चौकी या थानो के समीप ही 100 से 500 मीटिर के दायरे में ही बडे पैमाने पर अवैध शराब बिक रही है। इतना ही नहीं इन दोनों जिलों में जितनी शराब अवैध रूप से गांव-गांव में ढोई जाती है उतनी ही शराब प्रतिदिन यहां की शराब दुकानों से गुजरात में ढोई जाती है। शिवराज सरकार ने 2611 अहाते बंद कर व शराब पीकर वाहन चलाने वाले चालक पर सख्त कार्रवाई करने की नीति बनाई है, लेकिन सरकार की पॉलिसी में अवैध शराब बेचने वाले ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त नहीं किया जाता है और ठेकेदार गांव-गांव में शराब पहुंचा रहे हैं जिस पर कोई प्रतिबंध या सख्त कार्यवाही की नीति नहीं बनाई जा रही है।

इसी के बिच शिवराज सिंह चौहान आदिवासी के वोट बैंक को लुभाने के लिए फ्लाप रही विकास यात्रा के समापन में हलमा आयोजन को विस्तार रूप देने के साथ अपनी कमियो को दबाने का प्रयास किया है। देखते है माफियाओ के बीज को विकराल करने वाले शिव की गंगा 2023 में कंहा बहती है।

सिर्फ एक दृश्य- राणापुर शराब दुकान के गोडाउन से क्षेत्र में कई वाहनो से शराब का परिवहन होकर गांव-गांव में ढोई जाती है।

देश का पहला साइलेंट स्टेशन बना चेन्नई सेंट्रल

चेन्नई, एजेंसी। रेलवे स्टेशन पर पहुंचने के बाद सबसे पहले आपको सुनाई देती है तो वह है ट्रेनों की आवाजाही से संबंधित अनाउंसमेंट। यात्रीगण कृपया ध्यान दें! यह वाक्य रेलवे स्टेशन की निशानी बन चुका है। हालांकि अब चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन साइलेंट स्टेशन बन गया है। डॉ. एमजीआर रामचंद्रन सेंट्रल रेलवे स्टेशन ने ऑडियो अनाउंसमेंट बंद करने का फैसला किया है। यह देश का पहला ऐसा रेलवे स्टेशन है। अब इस स्टेशन पर विजुअल डिस्प्ले और इन्क्वायरी बूथ के जरिए ही ट्रेनें की जानकारी मिल सकेगी।

शनिवार को साउथ रेलवे जनरल मैनेजर आरएन ने इस फैसले का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे सुनिश्चित करें कि सभी डिस्प्ले बोर्ड ठीक तरीके से काम कर रहे हों। इसके अलावा पूछताछ खिड़कियों पर पर्याप्त स्टाफ को भी बैठाया गया है। तीनों एंट्री पॉइंट्स पर भी डिजिटल स्क्रीन लगाई गई हैं।

इन स्क्रीनों पर तीन भाषाओं में ट्रेनों की आवाजाही की जानकारी दी जाएगी। तमिल, अंग्रेजी और हिंदी में सूचना दिखाई देगी। आसपास के इलाकों में भी तीन डिजिटल बोर्ड लगाए गए हैं। हालांकि सबअर्बन ट्रेनों के लिए अनाउंसमेंट जारी रहेगा। इस बारे में लोगों की मिलीजुली प्रतिक्रिया मिली है। बहुत सारे लोगों का कहना है कि ऐलान से जानकारी जुटाने में आसानी रहती थी। वहीं कई लोगों का कहना है कि इससे अनपढ़ लोगों को दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। दिव्यांगों के लिए ब्रेल नेविगेशन मैप भी लगाए गए हैं।

चेन्नई सेंट्रल रेलवे स्टेशन करीब डेढ़ सौ वर्ष पुराना है। इस स्टेशन पर पहली बार इस तरह की पहल की गई है। अब यात्रियों और कर्मचारियों की प्रतिक्रिया ली जाएगी और इसके बाद ही फैसला किया जाएगा कि यह सिस्टम कारगर है या नहीं।

राज्य में बनेंगे 3 हजार मंदिर, एक-एक मंदिर पर खर्च होंगे 10 लाख रुपए

अमरावती, एजेंसी।

हिंदू आस्था की रक्षा के नाम पर आंध्र प्रदेश की जगन मोहन सरकार ने राज्य में 3 हजार हिंदू मंदिर बनवाने का फैसला लिया है। राज्य सरकार का कहना है कि, पूरे प्रांत में मंदिरों के निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। तीर्थों को विकसित किया जा रहा है। राज्य के डिप्टी सीएम कोट्टू सत्यनारायण ने कहा कि सीएम रेड्डी ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि हिंदू आस्था का संरक्षण और प्रचार किया जा सके।

सत्यनारायण ने कहा, हिंदू आस्था का बड़े स्तर पर प्रचार करने के लिए सरकार ने कमजोर तबके के लोगों के इलाकों में मंदिरों के निर्माण का फैसला लिया है।

मंदिरों के निर्माण के लिए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के श्री वाणी ट्रस्ट की ओर से हर मंदिर के निर्माण के लिए 10 लाख रुपये की राशि खर्च की जाएगी। पहले राज्य में एक हजार 330 मंदिरों के निर्माण का फैसला लिया गया था। अब इस लिस्ट में एक हजार 465 मंदिर और जोड़े गए हैं। इसके अलावा कुछ विधायकों की मांग के आधार पर 200 और मंदिर बनाए जाएंगे। बचे हुए मंदिरों का निर्माण स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से किया जाएगा। मंत्री ने कहा कि फिलहाल पूरे प्रदेश में 978 मंदिरों को बनाने पर काम तेजी से चल रहा है।

उन्होंने कहा कि, 25 मंदिरों के निर्माण के लिए एक इंजीनियर को जिम्मेदारी सौंपी गई है। मंत्री ने कहा कि 270 करोड़ रुपए का बजट आवंटन मंदिरों के पुनर्निर्माण के लिए जारी किया गया है। यही नहीं मंदिरों में तमाम धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी 238 करोड़ रुपए जारी किए गए हैं। यही नहीं धूप, दीप के लिए भी 28 करोड़ रुपए की राशि जारी की जाएगी। इस तरह यह रकम हर मंदिर के हिस्से में 5 हजार रुपए आएगी। जगन मोहन रेड्डी सरकार ने धूप, दीप स्कीम के तहत 2019 में सिर्फ एक हजार 561 मंदिरों को ही शामिल किया गया था। अब इनकी 5 हजार तक पहुंच गई है।

समहू को अनाज वितरण की सोसायटी दिलवाने के नाम पर सचिव ने लिए दस हजार, कैमरे में हुआ कैद

पंचायत में ही मिलीभगत कर शुरू कर दी सोसायटी, एसडीएम को आवेदन देकर कार्यवाही की मांग

माही की गूंज, पेटलावद।
राकेश गेहलोत

प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री चाहे मंच पर कितने ही दावे कर ले की भ्रष्टाचार और रिश्वत पर लगाम लगा रखी है, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बया करती हैं और सरकार के नुमांइदे खुल कर रिश्वत लेकर सरकार की भट्टी पलीत कर रहे हैं, ये रिश्वतखोर कर्मचारी कैमरे में कैद होने के बाद भी अपने अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त कर बच जाते हैं, विगत दिनों रतलाम जिले के जावरा विकास खण्ड में एक पटवारी रिश्वत लेता कैद हुआ था। अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त ये पटवारी बच ही गया था कि, खबर मीडिया में प्रकाशित होकर मामला उजागार हो गया जब कही जाकर फस रहे अधिकारी ने अपनी गर्दन बचाते हुए पटवारी को निलबित कर दिया, ऐसा ही एक मामला अब पेटलावद विकास खण्ड में आया है जहां ग्राम पंचायत का सचिव समूह गाँव मे सोसाइटी खुलवाने के नाम पर दस हजार की रिश्वत लेता है और कैमरे में कैद हो जाता है। मामले की शिकायत अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के पास की गई है फिलहाल सचिव पर कोई कार्यवाही नही हुई है शायद यहां भी जिम्मेदार मामला सुलटाने की फिराक में है या मीडिया में आने का इंतजार कर रहे हैं जिसके बाद शायद रिश्वतखोर सचिव पर कोई कार्यवाही हो।

समूह को सोसायटी दिलवाने के नाम पर ली राशि, कैमरे में हुआ कैद मंत्री

पेटलावद विकास खण्ड के ग्राम पनास ग्राम पंचायत काजबीगोबरिया गरवाल ने बताया कि, वो सागर स्वयं सहायता समुह का संचालन करते है और मेरी पत्नि अगुरीबाई उक्त समुह कि सचिव है और पनास के ग्रामीणों के द्वारा सौसाईटी से अनाज लेने के लिए रायपुरिया आना पडता था, शासन द्वारा सौसाईटी के संचालन का कार्य समुह के द्वारा करवाए जाने की योजना अन्तर्गत ग्राम पनास मे सोसाईटी स्वीकृत हुई थी जिसका आवेदन उक्त समुह के माध्यम से किया जाना था, जिसके लिए ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्ताव-ठहराव समुह के पक्ष में कर दिया गया था। सोसाइटी स्वीकृत करवाने हेतु आवेंदन के लिए आनलाईन पोर्टल नहीं खुलने के कारण आवेदन नहीं हो पाया, जिसकी जानकारी लेने हेतु ग्राम पंचायत काजबी के सचिव दयाराम गवली से सम्पर्क किया गया, तो उसके द्वारा प्रार्थी को सोसाईटी स्वीकृत करवाने की जवाबदारी लेते हुए प्रार्थी से बीस हजार रूपए की मांग की जिसमें से दस हजार रूपए ग्राम पंचायत भवन पर मौजुद सचिव दयाराम गवली को दिए गए। सचिव पर भरोसा नही होने के कारण आवेदक ने सचिव को पैसे देते हुए विडीयो बना लिया।

समूह की सोसायटी नहीं हुई, ग्राम पंचायत से शुरू हो गया अनाज वितरण

काफी समय बीत जाने के बाद ग्राम पंचायत भवन पर ही सोसाईटी शुरू होकर ग्राम पंचायत के माध्यम से अनाज वितरण का कार्य रायपुरिया सोसाईटी से सेल्समेन भेज कर करवाना शुरू कर दिया। जिसकी जानकारी मिलने पर आवेदक गोबरिया गरवाल द्वारा सचिव दयाराम गवली से मेरे समुह की सौसाईटी स्वीकृत नही होने का कारण पूछा तो इस बारे में कोई जवाब नही दिया और दिए गए पैसे वापस मागें तो पैसे वापस नही दिए।

मिलीभगत से शुरू की सोसायटी

शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि, ग्राम पंचायत सरपंच, सचिव व रोजगार सहायक तीनो मिलकर अनाज वितरण करने वाले सेल्समेन के साथ मिलकर ग्रामीणो को मिलने वाले अनाज की कालाबाजारी के उदेश्य से उक्त सोसाईटी शासन के नियमानुसार किसी स्थानीय समुह के दिए जाने के बजाए स्वयं ग्राम पंचायत से अनाज वितरण का कार्य शुरू कर दिया जो जांच का विषय है। गोबरिया गरवाल ने सचिव दयाराम गवली पर कार्यवाही की मांग करते हुए एसडीएम को आवेंदन दिया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422